दैनिक

# साकार भारत

रायपुर-आरएनआई रजि. CHHBIL/2023/88684

वर्ष : 3 अंक : 194 पृष्ठ : 8 मुल्य: 1:00 रायपुर, मंगलवार 28 जुलाई, 2026 www.sakarbharat.com

Vastu Guruji

वास्तु हेतु संपर्क करें...

मो.नं. 9074110000
9770888888

# प्रधानमंत्री के 'मन की बात' में गूंजा कोरबा का जल संरक्षण मॉडल

**रायपुर।** जल संरक्षण के क्षेत्र में कोरबा जिले के नवाचारों और जनभागीदारी आधारित प्रयासों को आज राष्ट्रीय स्तर पर महत्वपूर्ण पहचान मिली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 136वें एपिसोड में कोरबा नगर पालिक निगम द्वारा कैच द रेन अभियान के अंतर्गत किए जा रहे वर्षा जल संरक्षण कार्यों का उल्लेख करते हुए इसे जल संवर्धन की प्रभावी पहल बताया। यह उपलब्धि कोरबा नगर पालिक निगम, जिला प्रशासन एवं जिलेवासियों के लिए गौरव का विषय है।

कलेक्टर कुणाल दुदावत के मार्गदर्शन तथा नगर पालिक निगम, कोरबा के आयुक्त आशुतोष पांडेय के नेतृत्व में जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप देने के उद्देश्य से अनेक नवाचारी एवं स्थायी पहल की गई हैं। 'कैच द रेन' अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के तहत वर्षा जल का अधिकतम संचयन एवं भूजल स्तर में वृद्धि के लिए शहर में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गए हैं। एसएएम-2.0 योजना के अंतर्गत शहर के 10 विभिन्न स्थानों पर रिचार्ज वेल का निर्माण कराया गया है। इनका निर्माण नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर (इसरो) के तकनीकी विशेषज्ञों के परामर्श से इंजेक्ट वेल पद्धति के अनुसार किया गया है। इन रिचार्ज वेल के माध्यम से भारी वर्षा के दौरान सड़कों एवं नालियों में बहने वाले वर्षा जल को सीधे भूगर्भ में पहुंचाया जा रहा है, जिससे जल का अपव्यय रुक रहा है तथा भूजल स्तर में निरंतर सुधार हो रहा है। नगर निगम ने वर्षा जल संचयन को जनभागीदारी से जोड़ते हुए शासकीय भवनों में 757 तथा निजी भवनों में 971, कुल 1,728 रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट स्थापित कराए हैं। साथ ही भवन अनुज्ञा विभाग द्वारा जारी प्रत्येक भवन निर्माण अनुमति में रेन वाटर हार्वेस्टिंग को अनिवार्य प्रावधान के रूप में शामिल किया गया है।

### रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट का प्रावधान अनिवार्य

इसके अतिरिक्त सामुदायिक भवनों, विद्यालयों में अतिरिक्त कक्षों, आंगनबाड़ी भवनों, मंगल भवनों तथा अन्य सार्वजनिक उपयोग के भवनों के निर्माण में भी रेन वाटर हार्वेस्टिंग पिट का प्रावधान अनिवार्य किया गया है। वर्तमान में 109 निर्माण कार्यों के लिए कार्यादेश जारी किए जा चुके हैं, जिनमें वर्षा जल संचयन की व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

### 95 अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त एवं ध्वस्त बोरवेलों का चिन्हांकन कर रिचार्ज

भूजल संरक्षण को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर स्थित 95 अनुपयोगी, क्षतिग्रस्त एवं ध्वस्त बोरवेलों का चिन्हांकन कर उन्हें रिचार्ज संरचनाओं के रूप में विकसित करने के लिए री-ड्रिलिंग की कार्ययोजना तैयार की गई है। इससे अनुपयोगी संसाधनों का उपयोग जल संरक्षण के लिए किया जा सकेगा।

### वाटर हार्वेस्टिंग पिट के माध्यम से जल संरक्षण को भी बढ़ावा

जल संरक्षण के साथ-साथ जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं हरित आवरण बढ़ाने के लिए भी व्यापक अभियान संचालित किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा कोरबा एवं कटघोरा वनमंडल में बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया जा रहा है तथा वाटर हार्वेस्टिंग पिट के माध्यम से जल संरक्षण को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

## मन की बात' में बार-बार छत्तीसगढ़ का उल्लेख प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात : मुख्यमंत्री

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के फाफाडीह स्थित दया भवन में युवा साथियों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 136वीं कड़ी का श्रवण किया।

कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देशवासियों के साथ संवाद का एक ऐसा सशक्त मंच बन गया है, जो समाज के बीच हो रहे सकारात्मक और प्रेरणादायी कार्यों को राष्ट्रीय पहचान दिलाता है। देशभर के लोगों को प्रत्येक माह इस कार्यक्रम की उत्सुकता से प्रतीक्षा रहती है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से ऐसे व्यक्तियों, संस्थाओं, नवाचारों और जन-अभियानों को सामने लाते हैं, जो बिना किसी प्रसिद्धि या व्यक्तिगत अपेक्षा के समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पिछले कुछ महीनों में 'मन की बात' कार्यक्रम में लगातार छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों, सांस्कृतिक विरासत और नवाचारों का उल्लेख किया जाना प्रत्येक प्रदेशवासी के लिए गर्व की बात है। प्रधानमंत्री ने इससे पहले मल्हार की समृद्ध पुरातात्विक विरासत, बस्तर ओलंपिक और बस्तर पंडुम जैसे अभिनव आयोजनों का उल्लेख कर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक शक्ति, जनजातीय परंपराओं और युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान किया था।

उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा कोरबा में जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण की दिशा में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों का उल्लेख किया गया। यह छत्तीसगढ़ के लिए एक और गौरवपूर्ण उपलब्धि है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रदेश की उपलब्धियों का राष्ट्रीय मंच पर उल्लेख किए जाने से न केवल छत्तीसगढ़वासियों का उत्साह बढ़ता है, बल्कि राज्य के नवाचारों और जनभागीदारी आधारित विकास मॉडल को देशभर में नई पहचान भी मिलती है।

'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'कैच द रेन' अभियान के अंतर्गत देशभर में वर्षा जल संचयन, भूजल पुनर्भरण, पुराने जल स्त्रोतों के पुनर्जीवन और वृक्षारोपण के लिए किए जा रहे प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने छत्तीसगढ़ के कोरबा में जल संरक्षण की दिशा में किए जा रहे कार्यों को उत्साहजनक बताते हुए उनकी सराहना की।

## SHORT NEWS

### परित्यक्त बच्चों को नया जीवन और परिवार दे रही 'मातृछाया': लक्ष्मी

**रायपुर।** महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े रायपुर के कोटा स्थित सेवा भारती संचालित 'मातृछाया' के 20वें स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने संस्थान द्वारा नवजात, परित्यक्त एवं बेसहारा शिशुओं के संरक्षण, पालन-पोषण, शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए इसे सेवा और संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। मंत्री राजवाड़े ने बच्चों से आत्मीय मुलाकात कर कहा कि मातृछाया ऐसे बच्चों को सुरक्षित आश्रय, स्नेह और बेहतर भविष्य देने का सराहनीय कार्य कर रही है।

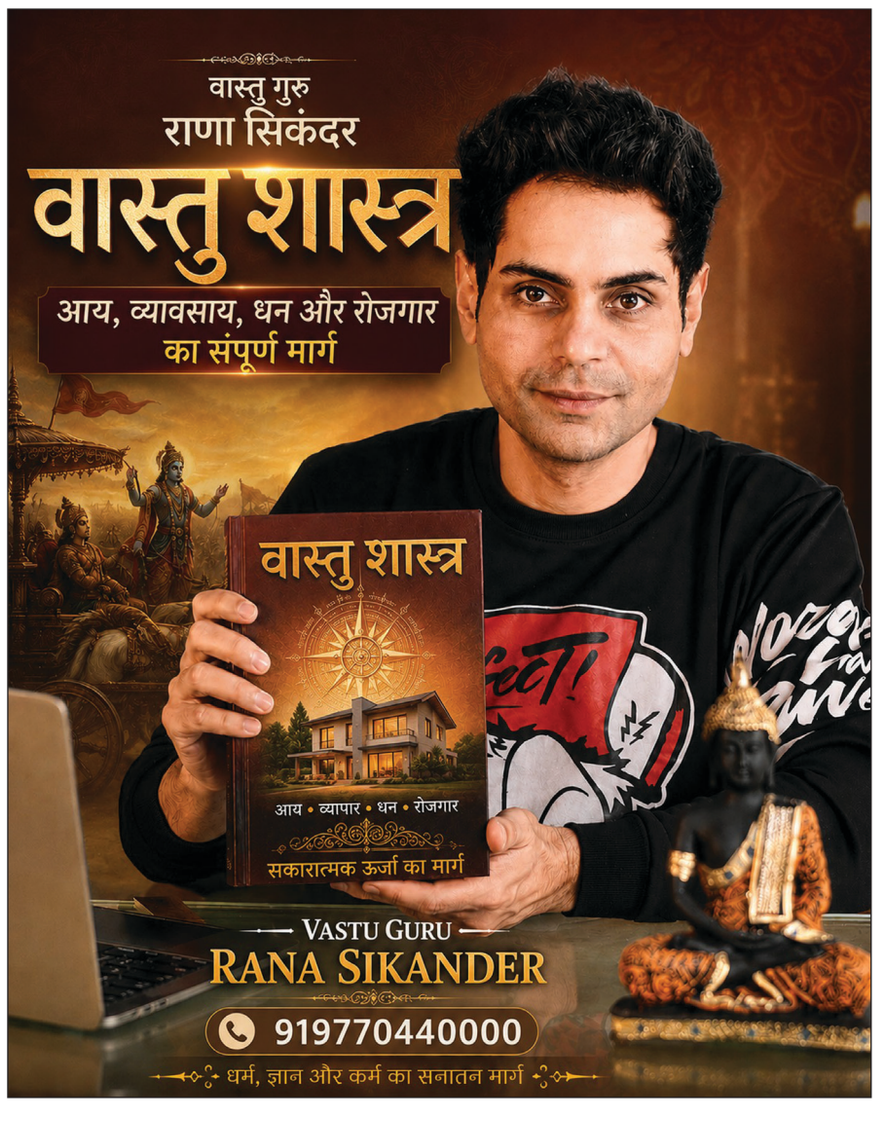


## सीएम विष्णु देव साय के मंशा के अनुरूप वनांचल के पंडो बच्चों तक पहुंची शिक्षा

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के अंतिम छोर तक शिक्षा, पोषण और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प को लगातार साकार कर रही है। इसी संवेदनशील सोच के अनुरूप गौरेला विकासखंड की ग्राम पंचायत पूटा के आश्रित वनांचल बसाहट सांचरखुटरा में विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभावी कदम उठाए हैं। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देश पर बच्चों के लिए गांव में ही अध्ययन और मध्यान्ह भोजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है, जिससे अब दुर्गम मार्ग और बरसात जैसी परिस्थितियां उनकी शिक्षा में बाधा नहीं बनेंगी।

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग को तत्काल आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उनके निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक शाला पूटा के सहायक शिक्षक श्री चंद्रभान सिंह उइके एवं सहायक शिक्षक श्री रणवीर सिंह बैगा की ड्यूटी रोस्टर के आधार पर सांचरखुटरा में लगाई गई है। दोनों शिक्षक अपनी मूल शाला में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद निर्धारित रोस्टर के अनुसार प्रतिदिन एक शिक्षक सांचरखुटरा पहुंचकर सामुदायिक भवन एवं आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को नियमित रूप से अध्ययन कराएंगे।

इस व्यवस्था से विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के बच्चों को बरसात के मौसम में दुर्गम और जोखिमपूर्ण रास्तों से विद्यालय तक आने-जाने की आवश्यकता नहीं होगी। गांव में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध होने से उनकी पढ़ाई बिना किसी व्यवधान के निरंतर जारी रहेगी। यह पहल दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षा की समान पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

जिला प्रशासन ने बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए उनके पोषण की भी प्रभावी व्यवस्था की है। शासकीय प्राथमिक शाला पूटा से आवश्यक खाद्य सामग्री नियमित रूप से सांचरखुटरा पहुंचाई जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों के लिए प्रतिदिन गर्म एवं पौष्टिक मध्यान्ह भोजन तैयार कर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे शिक्षा के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य और पोषण का भी समुचित ध्यान रखा जा सकेगा।

कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि जिले के दूरस्थ, वनांचल और विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी बच्चे की पढ़ाई भौगोलिक कठिनाइयों, मौसम की चुनौतियों अथवा मूलभूत सुविधाओं के अभाव में प्रभावित न हो, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और तत्परता के साथ कार्य कर रहा है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन, समावेशी विकास और अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के अनुरूप जिला प्रशासन की यह त्वरित पहल यह संदेश देती है कि प्रदेश में शिक्षा केवल विद्यालय तक सीमित नहीं है, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर शासन स्वयं बच्चों तक पहुंचकर उनके उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहा है।

## युवाओं के नवाचार और स्टार्टअप संस्कृति को मिलेगा नया आयाम : मंत्री ओपी चौधरी

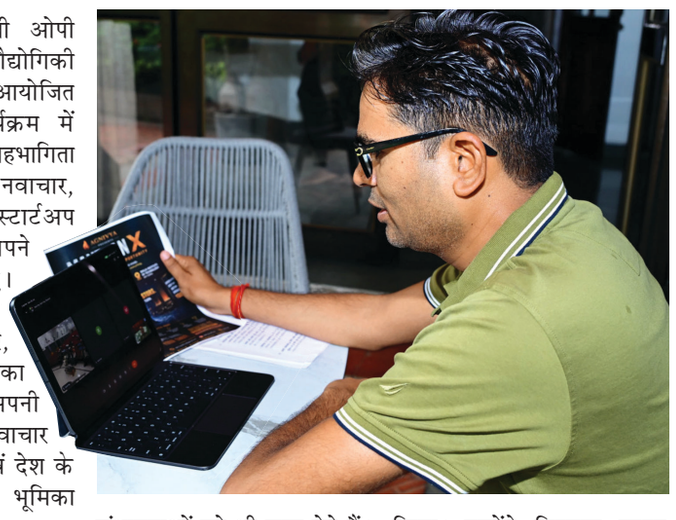

**रायपुर।** वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने भिलाई प्रौद्योगिकी संस्थान, दुर्ग में आयोजित '**Manthan X**' कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से सहभागिता करते हुए युवाओं, नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप इकोसिस्टम पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि आज का दौर नवाचार, तकनीक और उद्यमिता का है तथा युवा अपनी रचनात्मक सोच और नवाचार के माध्यम से प्रदेश एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

मंत्री चौधरी ने कहा कि '**Manthan X**' जैसे मंच युवाओं को अपने विचारों को निवेशकों, उद्योग जगत के विशेषज्ञों और अनुभवी मार्गदर्शकों के सामने प्रस्तुत करने का उत्कृष्ट अवसर प्रदान करते हैं। ऐसे आयोजन केवल प्रतियोगिता तक सीमित नहीं रहते, बल्कि नए स्टार्टअप, रोजगार और नवाचार की संभावनाओं को भी जन्म देते हैं।

मंत्री चौधरी ने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि आत्मविश्वास, सतत सीखने की प्रवृत्ति और समस्याओं के समाधान आधारित सोच ही सफल उद्यमिता की आधारशिला है। उन्होंने विद्यार्थियों से नवाचार को समाज की वास्तविक आवश्यकताओं से जोड़ने और स्थानीय समस्याओं के समाधान विकसित करने का आग्रह किया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ के युवा अपनी प्रतिभा, परिश्रम और नवाचार के बल पर राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर नई पहचान बनाएंगे। साथ ही उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम प्रदेश में स्टार्टअप संस्कृति को मजबूत करने और युवाओं को नए अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने जैन स्वाध्याय भवन के जीर्णोद्धार कार्य का किया लोकार्पण

**रायपुर/कोरबा।** उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने रविवार को बुधवारी जैन मंदिर परिसर स्थित जैन स्वाध्याय भवन के जीर्णोद्धार कार्य का फीता काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

कार्यक्रम की शुरुआत भगवान महावीर के दर्शन एवं पूजन से हुई। इसके बाद मंत्री लखन लाल देवांगन ने जैन समाज के गणमान्य नागरिकों को संबोधित करते हुए कहा कि जैन मिलन समिति और जैन समाज का स्नेह एवं आशीर्वाद उन्हें हमेशा मिलता रहा है। समाज की ओर से स्वाध्याय भवन के जीर्णोद्धार की मांग की गई थी, जिसे गंभीरता से लेते हुए सीएसआर मद से तत्काल स्वीकृति दिलाई गई। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की कृपा और समाज के सहयोग से आज इस भव्य भवन को समाज को समर्पित करने का अवसर मिला है।

मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में कोरबा नगर का तेजी से विकास हो रहा है। शहर में आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ सामाजिक विकास को भी प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि विभिन्न समाजों की मांग के अनुरूप अब तक 56 सामाजिक विकास कार्यों को स्वीकृति देकर उनका निर्माण कार्य तेजी से कराया जा रहा है।

इस अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत ने कहा कि सुशासन की सरकार में मंत्री लखन लाल देवांगन के नेतृत्व में शहर के विकास के साथ-साथ सामाजिक विकास को भी नई दिशा मिली है। विभिन्न मदों से स्वीकृत विकास कार्य समय पर पूरे हो रहे हैं, जिसका लाभ सभी वर्गों के लोगों को मिल रहा है।

कार्यक्रम में जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य सुधीर जैन ने मंत्री लखन लाल देवांगन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में कोरबा नगर निरंतर विकास की नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है। जैन मिलन समिति को स्वाध्याय भवन के जीर्णोद्धार जैसी महत्वपूर्ण सौगात मिलने से समाज में खुशी का माहौल है।

कार्यक्रम में डॉ. प्रदीप जैन, योगेश जैन, प्रफुल्ल तिवारी, राजेश राठौर, ईश्वर साहू, डॉ. प्रिंस जैन, प्रकाश जैन, सोनू जैन, मुकुल जैन, अशोक जैन, प्रमोद जैन, आशीष जैन, पारस जैन, मनीष जैन सहित बड़ी संख्या में जैन समाज के पदाधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं समाजजन उपस्थित रहे।

# मुख्यमंत्री साय के मंशा के अनुरूप वनांचल के पंडो बच्चों तक पहुंची शिक्षा

**रायपुर।** मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के अंतिम छोर तक शिक्षा, पोषण और मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने के संकल्प को लगातार साकार कर रही है। इसी संवेदनशील सोच के अनुरूप गौरेला विकासखंड की ग्राम पंचायत पूटा के आश्रित वनांचल बसाहट सांचरखुटरा में विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने की जानकारी मिलते ही जिला प्रशासन ने तत्काल प्रभावी कदम उठाए हैं। कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. के निर्देश पर बच्चों के लिए गांव में ही अध्ययन और मध्यान्ह भोजन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कर दी गई है, जिससे अब दुर्गम मार्ग और बरसात जैसी परिस्थितियां उनकी शिक्षा में बाधा नहीं बनेंगी।कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने मामले को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग को तत्काल आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उनके निर्देशानुसार शासकीय प्राथमिक शाला पूटा के सहायक शिक्षक श्री चंद्रभान सिंह उइके एवं सहायक शिक्षक श्री रणवीर सिंह बैगा की ड्यूटी रोस्टर के आधार पर सांचरखुटरा में लगाई गई है। दोनों शिक्षक अपनी मूल शाला में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद निर्धारित रोस्टर के अनुसार प्रतिदिन एक शिक्षक सांचरखुटरा पहुंचकर सामुदायिक भवन एवं

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को नियमित रूप से अध्ययन कराएंगे।इस व्यवस्था से विशेष पिछड़ी पंडो जनजाति के बच्चों को बरसात के मौसम में दुर्गम और जोखिमपूर्ण रास्तों से विद्यालय तक आने-जाने की आवश्यकता नहीं होगी। गांव में ही गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध होने से उनकी पढ़ाई बिना किसी व्यवधान के निरंतर जारी रहेगी। यह पहल दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों में रहने वाले बच्चों के लिए शिक्षा की समान पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।जिला प्रशासन ने बच्चों के समग्र विकास को ध्यान में रखते हुए उनके पोषण की भी प्रभावी व्यवस्था की है। शासकीय प्राथमिक शाला पूटा से आवश्यक खाद्य सामग्री नियमित रूप से सांचरखुटरा पहुंचाई जाएगी। आंगनबाड़ी केंद्र के माध्यम से बच्चों के लिए प्रतिदिन गर्म एवं पौष्टिक मध्यान्ह भोजन तैयार कर उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे शिक्षा के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य और पोषण का भी समुचित ध्यान रखा जा सकेगा। कलेक्टर विजय दयाराम के. ने कहा कि जिले के दूरस्थ, वनांचल और विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों में निवासरत प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। किसी भी बच्चे की पढ़ाई भौगोलिक कठिनाइयों, मौसम की चुनौतियों अथवा मूलभूत सुविधाओं के अभाव में प्रभावित न हो, इसके लिए जिला प्रशासन पूरी संवेदनशीलता, प्रतिबद्धता और तत्परता के साथ कार्य कर रहा है।मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सुशासन, समावेशी विकास और अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने के संकल्प के अनुरूप जिला प्रशासन की यह त्वरित पहल यह संदेश देती है कि प्रदेश में शिक्षा केवल विद्यालय तक सीमित नहीं है।

## नशामुक्त भारत के संकल्प के साथ युवाओं ने दिखाई रचनात्मक प्रतिभा

**रायपुर।** मेरा युवाभारत, जशपुर द्वारा शासकीय रामभजन राय (एन.ई.एस.) स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जशपुर में 'नशा मुक्त युवा - विकसित भारत' विषय पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया।प्रतियोगिताओं में जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशामुक्ति का सशक्त संदेश दिया। विशेष रूप से एम.एल.बी. कन्या विद्यालय एवं संकल्प स्कूल, जशपुर के विद्यार्थियों की उल्लेखनीय सहभागिता रही।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री राकेश पतनवार तथा विशिष्ट अतिथि शासकीय रामभजनराय (एन.ई.एस.) स्नातकोत्तर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अमरेन्द्र उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि ने युवाओं को नशामुक्ति की शपथ दिलाते हुए सड़क सुरक्षा के तहत हेलमेट पहनने तथा साइबर अपराधों से बचाव के लिए जागरूक रहने का संदेश दिया। इस अवसर पर मेरा युवा भारत के युवा अधिकारी श्री संकेत मित्तल भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान युवाओं को अपनी प्रतिभा और ऊर्जा का उपयोग समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा नशा मुक्त भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गतनृत्य, संगीत, वाद-विवाद, कवितापाठ, नुक्कड़ नाटक, चित्रकला, स्लोगन लेखन, रील निर्माण एवं शॉर्ट फिल्म जैसी विभिन्न विधाओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के जिला स्तरीय विजेता राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जशपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे।

## ब्रिज कोर्स से तय होगी 1200 शाला त्यागी और अप्रवेशी बच्चों की कक्षाएं

**बीजापुर।** जिले में शाला त्यागी और अप्रवेशी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विशेष पहल की जा रही है। कलेक्टर विश्वदीप एवं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे के निर्देशन में नक्सल प्रभावित और अंदरूनी क्षेत्रों के 09 से 14 वर्ष आयु वर्ग के लगभग 1200 बालक-बालिकाओं की पहचान कर उन्हें आवासीय पोर्टा केबिनों में प्रवेश दिलाया गया है।

ये ऐसे बच्चे हैं जिन्होंने गांव में स्कूल की सुविधा नहीं होने, घरेलू कार्यों या नक्सल प्रभावित परिस्थितियों के कारण बीच में पढ़ाई छोड़ दी थी अथवा कभी स्कूल ही नहीं जा सके। शिक्षकों, अधीक्षकों और अनुदेशकों के सहयोग से इन बच्चों को विद्यालयीन वातावरण के अनुरूप ढालने के लिए प्रारंभिक दिनों में टीवी, भ्रमण, खेलकूद, नृत्य, क्राफ्ट और चित्रकला जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं।

अब इन बच्चों की शैक्षणिक क्षमता का आकलन कर उनकी उपयुक्त कक्षाओं का निर्धारण करने के लिए तीन माह का ब्रिज कोर्स संचालित किया जाएगा।

# जल जीवन मिशन से बदला ग्राम डोकरबुड़ा में जीवन आसान हो गया

**रायपुर।** जल जीवन मिशन के तहत 'घर-घर पहुंचे स्वच्छ पेयजल' ने न सिर्फ लोगों के स्वास्थ्य में सुधार किया है, बल्कि उनके रोजमर्रा के जीवन को भी आसान बना दिया है। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के घरघोड़ा विकासखंड स्थित ग्राम डोकरबुड़ा में जल जीवन मिशन के तहत हर घर तक नल से स्वच्छ पानी पहुंचने पर जीवन आसान हो गया है। 176 परिवारों वाले इस गांव में अब पानी के लिए संघर्ष नहीं करना पड़ता, जिससे स्वास्थ्य और बच्चों की पढ़ाई में सुधार हुआ है।

रायगढ़ जिले के विकासखंड घरघोड़ा के ग्राम पंचायत छर्राटांगर अंतर्गत स्थित ग्राम डोकरबुड़ा आज जल जीवन मिशन की सफलता की एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुका है। 176 परिवारों और 772 की आबादी वाले इस गांव में अब प्रत्येक घर तक नल के माध्यम से स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्याप्त पेयजल नियमित रूप से पहुंच रहा है।

कभी पानी की एक-एक बूंद के लिए दूर-दराज का सफर तय करने वाले ग्रामीण आज घर बैठे नल जल सुविधा का लाभ उठा रहे हैं। इस बदलाव ने न केवल ग्रामीणों की दिनचर्या को आसान बनाया है, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास की दिशा में भी नया अध्याय जोड़ा है।

समय और श्रम की बचत से संवर रही महिलाओं की जिंदगी'

डोकरबुड़ा की निवासी श्रीमती कुंतीमा राठिया ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि पहले उन्हें रोजाना कई बार पानी लेने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। घर की जिम्मेदारियों के साथ-साथ पानी की व्यवस्था का पूरा भार उन्हीं पर था, जिससे दिन का बड़ा हिस्सा इसी में चला जाता था। कई बार तो बच्चों को भी पढ़ाई छोड़कर पानी लाने में हाथ बंटाना पड़ता था। कुंतीमा राठिया ने कहा कि कनेक्शन मिलने से हमारी वर्षों पुरानी समस्या समाप्त हो गई है। अब जो समय बचता है, उसका उपयोग परिवार की देखभाल और अन्य आयवर्धक कार्यों में कर पा रही हूं।

गांव में पाइपलाइन बिछाकर हर घर तक नल कनेक्शन देने के बाद पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। स्वच्छ पानी मिलने से गांव में जलजनित बीमारियों में भारी कमी आई है, जिससे ग्रामीणों का इलाज पर होने वाला खर्च भी काफी घट गया है। इसके अलावा, बच्चों को अब पानी ढोने की मशक्कत से आजादी मिल गई है, जिससे वे नियमित रूप से स्कूल जाकर अपनी पढ़ाई पर पूरा ध्यान केंद्रित कर पा रहे हैं।

जल जीवन मिशन ने डोकरबुड़ा में सिर्फ नल से जल पहुंचाने का काम नहीं किया है, बल्कि गांव के सामाजिक और आर्थिक ताने-बाने को भी सशक्त बनाया है। ग्रामीण अब जल संरक्षण, स्वच्छता और सुरक्षित जल के उपयोग के प्रति जागरूक हो चुके हैं। आज ग्राम डोकरबुड़ा इस बात का जीवंत प्रमाण बन गया है कि जब हर घर तक नल से जल पहुंचता है, तो सिर्फ प्यास ही नहीं बुझती, बल्कि पूरे गांव के विकास को एक नई रफ्तार मिलती है।

## सालेम इंग्लिश स्कूल में धूमधाम से मना ग्रीन डे, विद्यार्थियों ने किया पौधारोपण

**रायपुर।** सालेम इंग्लिश स्कूल में 25 जुलाई को ग्रीन डे उत्साह और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में पौधारोपण कर हरियाली बढ़ाने का संकल्प लिया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी ली।

ग्रीन डे के अवसर पर छात्र-छात्राओं ने 'जंगल बचाओ, पौधे बचाओ' और 'हर घर एक पेड़' थीम पर अपनी-अपनी कक्षाओं को आकर्षक ढंग से सजाया। शिक्षिकाओं ने बच्चों को हरियाली, पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीवों के महत्व के बारे में जानकारी दी तथा प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में स्कूल की प्राचार्या श्रीमती रूपिका लॉरेंस एवं अतिथियों ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधारोपण किया। इस दौरान बच्चों को 'आओ हम सब मिलकर पेड़ लगाएं, अपने वातावरण को स्वच्छ बनाएं' जैसे प्रेरक संदेशों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का महत्व समझाया गया।

## स्वामी आत्मानंद स्कूल नैमेड़ में 'न्यौता भोज' : पूर्व नौसेना अधिकारी के जन्मदिन पर बच्चों को मिला विशेष भोजन

**बीजापुर।** स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय, नैमेड़ में भूतपूर्व भारतीय नौसेना पेटी ऑफिसर रणवीर सिंह भदौरिया के जन्मदिन के अवसर पर न्योता भोज, स्कूल कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विकासखंड शिक्षा अधिकारी नागेश्वर निषाद तथा अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य डॉ. ओमेश्वरी देवांगन ने की। इस अवसर पर उप प्राचार्य सोमेंद्र सिंह भदौरिया, ग्राम सरपंच ललिता ओयाम, उपसरपंच दीपक कोरसा, पालकगण, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं विद्यार्थियों की आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुआ। इसके बाद स्कूल कैबिनेट के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। प्राचार्य डॉ. ओमेश्वरी देवांगन एवं बीईओ नागेश्वर निषाद ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्रसेवा के मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर पूर्व नौसेना अधिकारी रणवीर सिंह भदौरिया के जीवन, सैन्य सेवा और राष्ट्र के प्रति उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों ने उनके प्रेरणादायी अनुभवों को गंभीरता से सुना और उनसे राष्ट्रभक्ति एवं अनुशासन का संदेश ग्रहण किया।

रणवीर सिंह भदौरिया ने वर्ष 1961 में मात्र 16 वर्ष की आयु में भारतीय नौसेना में भर्ती होकर अपनी सेवा प्रारंभ की। सेवा अवधि के दौरान उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें तीन पदोन्नतियां प्राप्त हुईं।

# यूडीआईडी कार्ड शिविर से अब तक 140 दिव्यांगजनों को मिली नई पहचान

रायपुर। दिव्यांगजनों को शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से सरल एवं समयबद्ध रूप से जोड़ने के उद्देश्य से बलरामपुर जिले में जिला अस्पताल में प्रत्येक शुक्रवार विशेष यूडीआईडी कार्ड निर्माण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस पहल के माध्यम से अब तक 140 दिव्यांगजनों का यूडीआईडी कार्ड तैयार किया जा चुका है, जिससे उन्हें सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ लेने में आसानी होगी।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में संचालित इस शिविर में दिव्यांगता का चिकित्सकीय परीक्षण, आवश्यक दस्तावेजों का सत्यापन, ऑनलाइन पंजीयन और यूडीआईडी कार्ड निर्माण की पूरी प्रक्रिया एक ही स्थान पर की जा रही है। इससे विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले दिव्यांगजन और स्कूली बच्चों को बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं।

यूडीआईडी कार्ड दिव्यांगजनों के लिए एकीकृत पहचान पत्र के रूप में कार्य करता है, जिसके माध्यम से वे केंद्र एवं राज्य शासन की छात्रवृत्ति, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सहायक उपकरण, कौशल विकास प्रशिक्षण, यात्रा रियायत सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक सरल, पारदर्शी और सुगम तरीके से प्राप्त कर सकते हैं।

जिला प्रशासन ने सभी पात्र दिव्यांगजनों, उनके परिजनों, विद्यालयों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों से अपील की है कि जिन दिव्यांग बच्चों एवं व्यक्तियों का यूडीआईडी कार्ड अभी तक नहीं बना है, वे आवश्यक दस्तावेजों के साथ प्रत्येक शुक्रवार जिला अस्पताल में आयोजित विशेष शिविर में पहुंचकर अपना पंजीयन कराएं। इससे वे शासन की विभिन्न योजनाओं का लाभ समयबद्ध और प्रभावी रूप से प्राप्त कर सकेंगे।

## किशोरी बालिकाओं को मिला आत्मरक्षा प्रशिक्षण

**कोंडागांव।** कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार एवं रेनू प्रकाश जिला कार्यक्रम अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला महिला सशक्तिकरण केन्द्र के अन्तर्गत बेटी बचाओ बेटी पढाओ के तहत किशोरी बालिकाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण जिला के विकास खण्ड स्तर चिन्हाकिंत शासकीय हाई स्कूल ड़ोगरीगुड़ा, शासकीय हाई स्कूल गिरोला, शासकीय हाई स्कूल फूकागिरोला, शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला मुलमुला, स्कूलों में दिया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उदेश्य किशोरी बालिकाओं में आत्म विश्वास विकसित करना उन्हें अपने सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाना, तथा विपरित प्ररिस्थितियों में स्वयं की रक्षा करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्राशिक्षकों द्वारा किशोरी बालिकाओं को आत्मरक्षा की विभिन्न तकनिकों का व्यावहारिक अभ्यास करया गया। साथ ही उन्हें किसी भी प्रकार के छेड़छाड़, हिंसा या अपातस्थिति में धर्ये पूर्वक निर्णय लेने एवं तत्काल सहायता प्राप्त करने के तरीकों की जानकारी दी गई। किशोरी बालिकाओं को चाइल्ड हेल्प लाइन न0 1098, महिला हेल्प लाइन न0 181, साइबर हेल्प लाइन न0 1930, बच्चों की सुरक्षा से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण सेवाओं के बारे में अवगत कराया गया। कार्यक्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के उदेश्य, बालिका शिक्षा, लैंगिक समानता बाल विवाह रोकथाम महिलाओं के अधिकारों पर विस्तार से जानकारी दी गई।

उपस्थित किशोरी बालिकाओं को शिक्षा,सुरक्षा, एवं समान अवसर उपल्ब्ध कराने तथा उनके सर्वागीण विकास में सहयोग करने की पहल की गई। इस अवसर पर जिला महिला सशक्तिकरण केद्र, महिला एवं बाल विकास विभाग, से रीना सिंह जिला मिशन समन्वयक, माधुरी उसेण्डी जेण्डर विशेषज्ञ, स्कूल प्राचार्य, शिक्षक, शिक्षिका, किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहे।

# आदिवासी छात्रावासों की अधीक्षिकाओं को जीवन कौशल, लैंगिक समानता एवं किशोरावस्था विषयों पर दिया गया प्रशिक्षण

**रायपुर।** जनजातीय क्षेत्रों की किशोरियों को आत्मविश्वासी, जागरूक और जीवन की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना करने के लिए सक्षम बनाने की दिशा में आदिवासी विकास विभाग द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग एवं रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में बलरामपुर जिला के लाईवलीहुड कॉलेज, भेलवाडीह में दो दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला आयोजित की गई।

कार्यशाला में जिले के प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावासों की कक्षा 6वीं से 10वीं तक की अधीक्षिकाओं को किशोरावस्था, जीवन कौशल, लैंगिक समानता, नेतृत्व क्षमता तथा सहजकर्ता की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर

प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों की किशोरियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, निर्णय लेने की क्षमता, संवाद कौशल एवं नेतृत्व गुणों का विकास करना है, ताकि वे शिक्षा और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी अलग पहचान बना सकें।

सहायक आयुक्त आदिवासी विकास समीक्षा जायसवाल ने प्रशिक्षण के दौरान तैयार किए गए पोस्टर एवं गतिविधियों का अवलोकन कर प्रतिभागियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण किशोरियों के साथ-साथ किशोर बालकों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए भी उपयोगी हैं। उन्होंने अधीक्षिकाओं से आह्वान किया कि वे प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और अनुभव को छात्रावासों की छात्राओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचाएं तथा उन्हें अपनी प्रतिभा और क्षमताओं को पहचानने के लिए प्रेरित करें, जिससे वे बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए उच्च शिक्षा और उज्ज्वल भविष्य की ओर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें।

कार्यक्रम में बलरामपुर, शंकरगढ़, कुसमी एवं रामचंद्रपुर के मंडल संयोजकों सहित रूम टू रीड इंडिया ट्रस्ट के प्रतिनिधि श्री शैलेन्द्र कुमार भारद्वाज, सुश्री दीपा पटेल तथा संबंधित अधिकारी एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे। राज्य में किशोरियों के सशक्तिकरण और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

# शासन ने व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए सेवा सेतु की पहल महत्वपूर्ण : कलेक्टर

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव की उपस्थिति में जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी द्वारा पद्मश्री गोविंदराम निर्मलकर ऑडिटोरियम राजनांदगांव में आधार, सेवा सेतु, सामान्य सेवा केन्द्र (सीएससी) संचालकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला हुआ।

कार्यशाला में राजनांदगांव, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी एवं खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई जिले के आधार, सेवा सेतु, सीएससी संचालकों के कार्यों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि शासन जनमानस के जीवन को आसान बनाने के लिए कार्य कर रही है। जिसमें हमारी भागीदारी होना चाहिए। जनमानस के हितों के लिए सभी को प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य करें। उन्होंने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने के लिए अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करने कहा। उन्होंने कहा कि शासन की इस महती योजना से नागरिकों को बिजली के बिल से मुक्ति मिल जाएगी। इसमें उत्कृष्ट कार्य करने वाले सीएससी सेंटर संचालक को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मिथ्या एवं भ्रामक खबरें फैलाने वाले तथा कार्य में लापरवाही करने वाले संचालकों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि सभी आधार, सेवा सेतु, सामान्य सेवा केन्द्र संचालक समाज एवं देश के

विकास के लिए कार्य करें। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा व्यवस्था को अधिक जवाबदेह बनाने के लिए सेवा सेतु की पहल की गई है। जिसमें प्रशासनिक सेवाओं को आम नागरिक तक सरल, त्वरित व डिजिटल माध्यम से पहुंचाने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसके अंतर्गत आय, जाति, निवास, विवाह प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, राजस्व सहित 570 से अधिक सेवाएं एक ही ऑनलाईन प्लेटफार्म पर उपलब्ध कराई गई हैं।

कलेक्टर ने सीएससी सेंटर के सुचारू संचालन के लिए कम्प्यूटर ऑपरेटर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आय, जाति, निवास सहित अन्य सेवाओं में लगने वाले आवश्यक दस्तावेज की सूची बनाकर नागरिकों को जानकारी दें। जिससे कार्यों में एकरूपता आएगी और लोगों का विश्वास बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सभी संचालक बेहतर तरीके से कार्य करें तथा इस बात का ध्यान रखें कि नागरिकों के प्रकरणों का निरस्तीकरण न हो। उन्होंने सभी एसडीएम को आधार सेवा पोर्टल के तहत लंबित प्रकरणों तथा निरस्त प्रकरणों की समीक्षा करने के लिए कहा। कलेक्टर ने कहा कि जिस तरह सेतु से आवागमन मजबूत बनता है, उसी तरह जनमानस की सेवा के लिए सभी समन्वित एवं प्रतिबद्धतापूर्वक कार्य करेंगे एवं सेवा सेतु कार्यों में गति लाएं। एसडीएम एवं तहसीलदार सेवा सेतु के कार्यों की समीक्षा करें एवं इस कार्य को बेहतर बनाएं। कलेक्टर ने आधार, सेवा सेतु, सामान्य सेवा केन्द्र संचालकों से बात की तथा उन्हें जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करने कहा। उन्होंने कहा कि समस्याओं के निराकरण के लिए पटवारी आवेदनकर्ता को फोन लगाएं एवं संदेश भी भेज सकते हैं, जिसके बेहतर परिणाम मिलेंगे।

## एग्रीस्टैक पोर्टल में किसानों का शत प्रतिशत पंजीयन कराने तथा खाद, बीज की समुचित उपलब्धता सुनिश्चित कराए : कलेक्टर

**बालोद।** कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने शुक्रवार 25 जुलाई को जनपद पंचायत कार्यालय गुरूर के सभाकक्ष में राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की।

बैठक में उन्होंने शासन के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल में किसान पंजीयन के कार्य को अत्यंत आवश्यक बताते हुए राजस्व एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्धारित समयावधि तक जिले के शत प्रतिशत कृषकों के प्रत्येक खातों का अनिवार्य रूप से पंजीयन कराने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने मौजूदा खरीफ सीजन के मद्देनजर जिले में खाद, बीज की समुचित भण्डारण एवं वितरण के कार्यों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि शासन द्वारा किसानों के लिए जिले में समुचित मात्रा में खाद एवं बीज का भण्डारण किया गया है। इसे ध्यान में रखते हुए सभी कृषकों को पर्याप्त मात्रा में खाद, बीज की उपब्धता सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। बैठक में संयुक्त कलेक्टर मधुहर्ष, एसडीएम आरके सोनकर, तहसीलदार हेमंत पैकरा, नायब तहसीलदार रमेश मण्डावी के अलावा कृषि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों एवं ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी, राजस्व निरीक्षक तथा पटवारीगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने गुरूर विकासखण्ड में एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए किसानों तथा खाताधारकों के संख्या के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीयन कराने हेतु शेष रह गए सभी कृषकों का शीघ्र पंजीयन कराने के निर्देश दिए।

## दूरस्थ ग्राम पुसबाका को मिली डिजिटल कनेक्टिविटी की नई पहचान

**बीजापुर ।** जिले के उसूर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पुसबाका में नए मोबाइल नेटवर्क टॉवर का सफलतापूर्वक संचालन प्रारंभ हो गया है। लंबे समय से मोबाइल नेटवर्क की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों के लिए यह एक बड़ी उपलब्धि साबित हुई है। टॉवर के चालू होने से अब गांव एवं आसपास के क्षेत्रों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं पहले की तुलना में अधिक सुचारु रूप से उपलब्ध होंगी। बीजापुर जिला मुख्यालय से लगभग 65 से 70 किलोमीटर दूर स्थित ग्राम पंचायत पुसबाका, जिसका कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 1,114 हेक्टेयर है, अब बेहतर डिजिटल कनेक्टिविटी से जुड़ गया है। मोबाइल टॉवर की स्थापना से ग्रामीणों को संचार संबंधी कठिनाइयों से राहत मिलेगी और आधुनिक डिजिटल सेवाओं तक उनकी पहुंच आसान होगी। अब गांव के नागरिक मोबाइल कॉल, वीडियो कॉल, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई भुगतान, ई-गवर्नेंस सेवाओं एवं अन्य इंटरनेट आधारित सुविधाओं का निर्बाध लाभ उठा सकेंगे।

# वर्षा जल संरक्षण की अनूठी पहल : मोर गांव, मोर पानी अभियान से घोघर बना प्रेरणादायी मॉडल

### घोघर में बने 3000 वाटर एब्जॉर्प्शन टैंक, भूजल संवर्धन और टिकाऊ कृषि को मिलेगा नया आधार

**जशपुरनगर**। जल सुरक्षा सुनिश्चित करने, भू-जल स्तर को सुदृढ़ बनाने तथा प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण के उद्देश्य से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन-ग्रामीण योजनांतर्गत संचालित मोर गांव, मोर पानी महाअभियान के तहत बगीचा विकासखंड की ग्राम पंचायत घोघर में 3000 वाटर एब्जॉर्प्शन टैंक का निर्माण किया गया है। यह पहल वर्षा जल संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में सामने आई है और जल प्रबंधन की दिशा में घोघर ग्राम पंचायत को एक प्रेरणादायी मॉडल के रूप में स्थापित कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन द्वारा जल संरक्षण को जनआंदोलन का

स्वरूप देने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया, जिससे लोगों में वर्षा जल के महत्व, भू-जल संरक्षण तथा भविष्य में संभावित जल संकट के प्रति जागरूकता बढ़ी है। कलेक्टर रोहित व्यास के मार्गदर्शन में संचालित यह अभियान वर्षा जल के अधिकतम संचयन, भू-जल पुनर्भरण और टिकाऊ कृषि व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक प्रभावी एवं दूरदर्शी पहल सिद्ध हो रहा है। वर्षा जल का होगा प्रभावी संचयन, बढ़ेगा भू-जल स्तर ग्राम पंचायत घोघर में निर्मित वाटर एब्जॉर्प्शन टैंक वर्षा ऋतु के दौरान बहकर व्यर्थ जाने वाले पानी को भूमि के भीतर समाहित करने का कार्य कर रहे हैं। इससे भू-जल स्तर के पुनर्भरण में उल्लेखनीय वृद्धि होगी तथा खेतों में लंबे समय तक नमी बनी रहेगी।

सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध होगा, फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होगी और कृषि अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बन सकेगी। यह पहल भविष्य में जल संकट और सूखे जैसी परिस्थितियों के प्रभाव को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही प्राकृतिक जल स्रोतों के संरक्षण, पर्यावरणीय संतुलन तथा जल संसाधनों के वैज्ञानिक एवं सतत उपयोग को भी बढ़ावा मिलेगा। प्रेरणादायी मॉडल बनकर उभर रहा है यह अभियान मोर गांव, मोर पानी महाअभियान केवल जल संरक्षण तक सीमित नहीं है बल्कि यह जनभागीदारी आधारित व्यापक जनजागरूकता अभियान भी है। ग्राम पंचायत घोघर में स्थानीय ग्रामीणों की सक्रिय सहभागिता से 3000 वाटर एब्जॉर्प्शन टैंकों का निर्माण सफलतापूर्वक किया गया, जिससे जल संरक्षण के प्रति लोगों में जिम्मेदारी और सहभागिता की परिणामस्वरूप किसानों को भावना विकसित हुई है।

## रक्तदाता संस्थाओं को मिलेगा एक चौथाई निःशुल्क रक्त का लाभ, कलेक्टर की नई पहल

**दुर्ग।** इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय में संचालित ब्लड बैंक में रक्त की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा नियमित स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कला मंदिर, सिविक सेंटर भिलाई जिला दुर्ग में 'रक्तदान-महादान' विषय पर बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की विभिन्न सामाजिक, शैक्षणिक, औद्योगिक, व्यापारी संघ, महिला समूहों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने कहा कि इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी दुर्ग द्वारा जिला चिकित्सालय परिसर में जनभागीदारी से सर्वसुविधायुक्त ब्लड बैंक का सफल संचालन किया जा रहा है। इस ब्लड बैंक के माध्यम से जिला चिकित्सालय में भर्ती गंभीर एवं जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जाता है, जिससे अनेक लोगों की जान बचाई जा रही है। कलेक्टर ने कहा कि बैठक का मुख्य उद्देश्य पूरे वर्ष के लिए नियमित रक्तदान शिविरों का वार्षिक कैलेंडर तैयार करना है, ताकि प्रत्येक संस्था, संगठन एवं समाज रक्तदान शिविर आयोजित कर सके। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों से इस अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की। कलेक्टर अभिजीत सिंह एवं अध्यक्ष इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी ने बताया कि डिजिटल पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आईआईटी भिलाई के सहयोग से एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया जा रहा है। इस पोर्टल के माध्यम से यह जानकारी उपलब्ध रहेगी कि किस संस्था या संगठन ने कितनी यूनिट रक्तदान किया है, वर्तमान में ब्लड बैंक में कितनी यूनिट रक्त उपलब्ध है तथा अन्य आवश्यक जानकारी भी डिजिटल रूप से दर्ज रहेगी। कलेक्टर सिंह ने बताया कि थैलेसीमिया, एनीमिया, सिकल सेल रोग, गर्भवती महिलाओं एवं प्रसूताओं जैसे गंभीर मरीजों को निःशुल्क रक्त उपलब्ध कराया जाता है।

## मेहनत और एकजुटता से बदली तकदीर, मछली पालन से आत्मनिर्भर बना हिमसाराज स्व-सहायता समूह

**बीजापुर।** ग्राम चिन्नाकोडेपाल के 10 युवाओं ने एकजुट होकर गठित हिमसाराज पुरुष स्व-सहायता समूह के माध्यम से मछली पालन को आजीविका का साधन बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। सीमित संसाधनों और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद समूह ने सामूहिक प्रयास, बचत और श्रमदान के बल पर सफलता हासिल की है।

समूह के अध्यक्ष सुकल तेलम एवं सचिव प्रदीप तेलम के नेतृत्व में 10 सदस्यीय समूह ने ?50 हजार की चक्रीय निधि के सहयोग से मछली पालन का कार्य शुरू किया। समूह गठन से पहले अधिकांश सदस्य पारंपरिक खेती एवं मजदूरी पर निर्भर थे, जिससे परिवार का भरण-पोषण करना कठिन हो रहा था। बेहतर आय की तलाश में सदस्यों ने सामूहिक रूप से मछली पालन अपनाने का निर्णय लिया।

शुरुआती दौर में समूह के सामने आधुनिक तकनीक की जानकारी और पर्याप्त पूंजी का अभाव था। सदस्यों ने नियमित बचत शुरू की तथा श्रमदान कर तालाब की साफ-सफाई, गहरीकरण और पानी की गुणवत्ता में सुधार किया। इसके बाद तालाब में रोहू, कतला जैसी उन्नत प्रजातियों के मत्स्य बीज डाले गए। सभी सदस्यों ने जिम्मेदारियां बांटकर तालाब की नियमित देखरेख की, जिससे मछलियों का बेहतर विकास हुआ।

लगभग आठ माह की मेहनत के बाद समूह को पहली बड़ी सफलता मिली। तालाब से अच्छी गुणवत्ता की मछलियों का उत्पादन हुआ, जिनकी बिक्री स्थानीय एवं आसपास के बाजारों में की गई।

# स्व-सहायता समूह से जुड़कर पूनम देवी बनीं आत्मनिर्भर, अब 'लखपति दीदी' के रूप में बना रहीं नई पहचान

जशपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व में प्रदेश की महिलाएं विभिन्न योजनाओं से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। जशपुर जिले के दुलदुला विकासखंड के ग्राम सिमड़ा की पूनम देवी भी इसी बदलाव की एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरी हैं।

पूनम देवी, जो गणेश महिला स्व-सहायता समूह की सदस्य हैं, आज 'लखपति दीदी' के रूप में जानी जाती हैं। कभी सीमित संसाधनों के साथ घर-परिवार की जिम्मेदारियों में लगी रहने

वाली पूनम देवी ने स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपने जीवन की दिशा बदल दी। पूनम देवी बताती हैं कि पहले वे घर-गृहस्थी के कामकाज तक ही सीमित थीं और परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए मजदूरी का सहारा लेना पड़ता था। आर्थिक स्थिति सामान्य थी, जिससे परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करना कठिन हो जाता था। इसी दौरान उन्होंने गणेश महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। समूह से जुड़ने के बाद उन्हें बचत, ऋण सुविधा और स्वरोजगार के विभिन्न अवसरों की जानकारी मिली। समूह की अन्य महिलाओं को मछली पालन, बकरी पालन और अन्य आजीविका गतिविधियों से जुड़कर आय अर्जित करते देख उन्हें भी प्रेरणा मिली। वर्ष 2025 के मार्च माह में उन्होंने मुद्रा योजना के तहत 1 लाख रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग उन्होंने अपने छोटे से किराना दुकान के विस्तार में किया।किराना दुकान को व्यवस्थित और बड़ा करने के बाद उनके व्यवसाय में धीरे-धीरे बढ़ोतरी होने लगी। वर्तमान में उनकी दुकान से हर माह लगभग 30 से 35 हजार रुपये तक की बिक्री हो जाती है। इस आय से वे अपने परिवार का भरण-पोषण करने के साथ ही बच्चों की पढ़ाई-लिखाई भी अच्छी तरह से कर पा रही हैं। पूनम देवी का कहना है कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आत्मविश्वास और आर्थिक स्थिरता दोनों आए हैं।

## 'सौहार्द, सहमति और सामाजिक समरसता की ओर एक सशक्त कदम : कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

**दुर्ग।** 'संवाद से समाधान, मध्यस्थता से सम्मान और सौहार्द से सशक्त समाज का निर्माण' के मूल उद्देश्य को साकार करते हुए सर्वोच्च न्यायालय, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, बिलासपुर तथा न्यायमूर्ति रमेश सिन्हा, मुख्य न्यायाधिपति, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय एवं मुख्य संरक्षक, छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के प्रेरणादायी नेतृत्व में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण , नई दिल्ली द्वारा जारी 'Community Mediation Towards a Litigation-Free Rural India' स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर , 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा 25 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित पांच दिवसीय कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग (छत्तीसगढ़) के चतुर्थ तल स्थित नवीन सभागार में आयोजित भव्य उद्घाटन समारोह के साथ किया गया। कम्यूनिटी मीडियेशन अर्थात् सामुदायिक मध्यस्थता ग्रामीण भारत में सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द एवं वैकल्पिक विवाद समाधान की संस्कृति को सुदृढ़ करने की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं जनहितकारी पहल है।

# वनविभाग ने वन भूमि में अवैध अतिक्रमण को हटाकर किया जा रहा पौधरोपण

जशपुर। वनमण्डल की बड़ी कार्यवाही: सन्ना वन परिक्षेत्र में अवैध अतिक्रमण हटाकर वनभूमि मुक्त, तत्काल प्रारंभ किया गया पौध रोपण किया गया वन एवं वन्यजीव संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए जशपुर वनमण्डल द्वारा वनभूमि पर किए जा रहे अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है।

इसी क्रम में 23 जुलाई 2026 को वन परिक्षेत्र सन्ना अंतर्गत दो अलग-अलग स्थानों पर अवैध अतिक्रमण हटाकर वनभूमि को पुन: वन विभाग के आधिपत्य में लिया गया तथा मुक्त कराई गई भूमि पर तत्काल वृक्षारोपण की कार्यवाही प्रारंभ की गई। ग्राम सुलेसा में 0.669 हेक्टेयर वनभूमि अतिक्रमण से मुक्त वन परिक्षेत्र सन्ना के ग्राम सुलेसा स्थित कक्ष क्रमांक पी-107 में

लगभग 0.669 हेक्टेयर वनभूमि पर अनिल राजवाड़े द्वारा अवैध अतिक्रमण किया जा रहा था। सूचना प्राप्त होने पर वन विभाग का अमला तत्काल मौके पर पहुंचा और नियमानुसार कार्यवाही करते हुए अवैध कब्जे को हटाकर सम्पूर्ण वनभूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया।

वनभूमि को पुन: हरित स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से मुक्त कराई गई भूमि पर उसी दिन वृक्षारोपण की कार्यवाही प्रारंभ की गई। यह पहल न केवल वनभूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने तथा जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इत्ती दिन वन परिक्षेत्र सन्ना के ग्राम चुंदापाठ स्थित कक्ष क्रमांक पी.एफ. 109 में निरीक्षण के दौरान पाया गया कि सूर्यनारायण यादव, पिता जानकी यादव, जाति अहीर, निवासी चुंदापाठ द्वारा वनभूमि पर अवैध रूप से पत्थरों की घेराबंदी कर ईट की जुड़ाई से छपरी का निर्माण कर उसमें मवेशी रखे जा रहे थे। वन विभाग की टीम द्वारा नियमानुसार कार्यवाही करते हुए उक्त अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त किया गया तथा संबंधित व्यक्ति को वनभूमि से बेदखल कर शासकीय वनभूमि को पुन: अतिक्रमण मुक्त कराया गया।

वनभूमि संरक्षण के लिए निरंतर अभियान जशपुर वनमण्डल द्वारा वनभूमि पर किसी भी प्रकार के अवैध अतिक्रमण, निर्माण अथवा कब्जे के विरुद्ध लगातार निगरानी रखी जा रही है। वन विभाग का उद्देश्य केवल अतिक्रमण हटाना ही नहीं, बल्कि मुक्त कराई गई भूमि पर पौध रोपण एवं प्राकृतिक पुनर्जीवन के माध्यम से वनों का संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित करना भी है।

वन विभाग ने आमजन से अपील की है कि शासकीय वनभूमि पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा अथवा निर्माण न करें। यदि कहीं भी वनभूमि पर अतिक्रमण अथवा वन अपराध की जानकारी प्राप्त होती है, तो इसकी सूचना तत्काल निकटतम वन कार्यालय को दें, ताकि समय रहते आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जा सके। जशपुर वनमण्डल द्वारा भविष्य में भी वन संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन एवं अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध इसी प्रकार सख्त एवं प्रभावी अभियान निरंतर जारी रखा जाएगा।

# छोटी हार कई बार बड़ी जीत की भूमिका होती है

राजनीति में बड़े नेताओं के बड़े समर्थक होते हैं.वह चाहते हैं कि हमारा नेता को हमेशा जीतना चाहिए। उसे किसी के सामने झुकना नही चाहिए। उसे ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए कि ऐसा लगे कि वह किसी के सामने झुक गया है। उसके किसी काम से ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हमारा मजबूत नेता कमजोर साबित हो गया है।कई बार नेता जितना कट्टर नहीं होता है, उसके समर्थक उससे ज्यादा कट्टर होते हैं। नेता का झुकना उसे मंजूर नहीं होता है। नेता का हारना उसे स्वीकार्य नहीं होता है।नेता का कमजोर होना उनको पसंद नहीं आता है,उनका नेता ऐसा करता है तो उनको बुरा लगता है, वह उसका खुलकर विरोध करते हैं और कहते है उसके बड़े नेता को ऐसा नहीं करना था।पीएम मोदी ऐसे ही बड़े नेता हैं उनके समर्थक उनको कमजोर होते, किसी के सामने झुकते नहीं देख सकते। यही वजह है कि शिक्षामंत्री के इस्तीफा मामले में वह चाहते थे कि पीएम मोदी इस्तीफा न लें।आंदोलन करने वालों को आंदोलन करने दें, आंदोलनकारियों से सख्ती से निबटें।राजनीति में अहंकार कोई मायने नहीं रखता है।कई बार बड़ी जीत के लिए छोटी हार स्वीकार करनी पड़ती है।कई बार बड़ी जीत के लिए छोटी हार जरूरी होती है,इसलिए जो दूरदर्शी नेता होता है वह जानता है कि छोटी हार के बाद बड़ी जीत है तो उसके छोटी हार कोई मायने नहीं रखती है, उसके लिए बड़ी जीत जरूरी होती है और वह वही करता है जिससे उसको और उसकी पार्टी को ज्यादा फायदा होता है।

राहुल गांधी सहित विपक्ष तो चाहते थे कि दिल्ली के जंतर मंतर में युवाओं को जो आंदोलन चल रहा है, वह जितना लंबा चल सकता है चलना चाहिए।इससे देश में एक धारणा तो बनती है कि देश का युवा मोदी सरकार से नाराज है। राहुल गांधी यही तो चाहते हैं कि देश के लोगों, देश के युवाओं में सरकार की असफलता को लेकर जो नाराजगी है, वह सामने आनी चाहिए। उनके किए धरे तो ऐसा हो नहीं पा रहा था लेकिन जब सीजेपी के नेताओं ने अपना आंदोलन शुरू किया तो देश के सामने लोगों का गुस्सा सामने आने लगा।इससे देश में धारणा बन रही थी कि लोग मोदी सरकार से बहुत नाराज है।विपक्ष इस आंदोलन के जरिए यह बताना चाहता था कि मोदी सरकार असफल है और उसे लेकर लोगों में गुस्सा है और लोगों को इस बात के लिए तैयार किया जा सकता है कि वह मोदी सरकार को सत्ता से हटाए। लेकिन सीजेपी वह नहीं चाहता तो जो विपक्ष चाहता था, वह मोदी सरकार के खिलाफ दिखते हुए भी मोदी सरकार के खिलाफ नहीं था, वह तो अपने आंदोलन को सफल बनाना चाहता था, वह जानता था कि वह नीट पेपर लीक मामले में मोदी का इस्तीफा मांगेगा तो उनका सफल नहीं हो सकता क्योंकि इसके लिए मोदी तो कभी भी तैयार नहीं होंगे।इसलिए विपक्ष की इच्छा के खिलाफ सीजेपी ने आंदोलन का लक्ष्य शिक्षामंत्री के इस्तीफे तक सीमित रखा और युवाओं को प्रभावित करने के लिए एक यह मांग की जिन युवाओं ने नीट के चलते जान दी है, उनके परिवार को सरकार एक-एक करोड रुपए मुआवजा दे।

सीजेपी की यह मांगें ऐसी थी कि सरकार आसानी से पूरा कर सकती थी। कुछ दिन बाद विपक्ष भी यही मांग करने लगा ताकि युवा आंदोलन सफल हो तो उसका श्रेय विपक्ष को भी मिले। सीजेपी और विपक्ष की मांग एक हो जाने यानी शिक्षामंत्री का इस्तीफा हो जाने पर सरकार के लिए दोनों की मांग को पूरा करना आसान हो गया और एक बार में ही दोनों की मांग को पूरा करना संभव हुआ।सरकार ने एक दिन दोनों की मांग को पूरा कर दिया यानी शिक्षामंत्री से कह दिया गया कि वह अब इस्तीफा दे दें। शिक्षामंत्री के इस्तीफे के बाद सीजेपी व कांग्रेस सहित विपक्ष की मांग एक साथ पूरी हो गई है । इससे सड़क पर जो अराजकता फैलाई जा रही थी, वह बंद हो गई है और संसद के भीतर जो हंगामा कर संसद नहीं चलने दी जा रही थी, उस पर रोक लगने की संभावना बन गई है।

मोदी सरकार जानती थी कि संसद के बाहर सड़क पर जो अराजकता चल रही है, वह जब तक बंद नहीं होगी तो संसद के भीतर जो हंगामा हो रहा है वह भी नहीं रुकने वाला है।युवाओं के नाम पर संसद में हंगामा होता रहेगा।मोदी सरकार के लिए सड़क की अराजकता से ज्यादा जरूरी संसद चलना था क्योंकि युवाओं की समस्या का समाधान तो संसद में हो सकता है,वह पेपर लीक रोकने के लिए जो कानून लाना चाहती है, वह तो संसद के जरिए ही लाया जा सकता है। शिक्षामंत्री का इस्तीफा मोदी सरकार ने लिया है तो संसद चलाने के लिए लिया है।मोदी सरकार के लिए शिक्षामंत्री का इस्तीफा हार है तो छोटी हार है।मोदी सरकार यह छोटी हार इसलिए स्वीकार कर ली है कि उसके लिए संसद मे बड़ी जीत इसको स्वीकार करने पर ही मिल सकती है। इसलिए कहा जा सकता है कि छोटी हार मोदी सरकार की बड़ी जीत की भूमिका है।

संसद में पेपर लीक रोकन कानून पारित होने पर सरकार युवाओं को यह संदेश देने मे सफल होगी कि विपक्ष तो आपके लिए सिफ हंगामा करता है, अराजकता फैलाता है लेकिन सरकार तो वह कर रही है जो आप चाहते हैं यानी देश में अब पेपर लीक न होने देना। पेपर लीक के लिए हंगामा करने से बड़ा काम तो पेपर लीक न होने देने के लिए व्यवस्था बनाना है। इसके बाद संसद चलने पर ही तो वह सारे विधेयक संसद में पेश कर पारित किए जा सकते हैं जिसके लिए संसद सत्र बुलाया गया है।युवाओं का आंदोलन समाप्त होने से संसद के सुचारू चलने का रास्ता साफ हो गया है।शिक्षामंत्री के इस्तीफे का मेन मकसद यही था कि संसद चलने का रास्ता साफ हो और सरकार वह सब विधेयक संसद से पारित करा सके जिनके पारित होने से सरकार को बडी़ जीत मिल सकती है।

# 'जेन-जी' : निवेश-संस्कृति और आर्थिक विकास की मजबूत धुरी

करन सिंह होरा
संपादक
साकार भारत

वर्ष 1997 से 2012 के बीच जन्मी जेनरेशन-जेड यानी जेन-जी का बड़ा हिस्सा अभी शिक्षा, रोजगार या कॅरियर के शुरुआती पड़ाव पर है। इसके बावजूद शेयर बाजार में उसकी बढ़ती भागीदारी, उपभोग पर प्रभाव और ऋण चुकाने में दिख रहा अनुशासन संकेत देता है कि यह पीढ़ी भारतीय अर्थव्यवस्था की भावी दिशा निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

वित्त वर्ष 2019-20 से 2025-26 के बीच शेयर बाजार से जुड़े प्रत्येक 10 नए निवेशकों में लगभग 6 की आयु 30 वर्ष से कम रही है। वर्ष 2019-20 में कुल निवेशकों में जेन-जी की हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी, जो 2025-26 में बढकर 38.3 प्रतिशत हो गई। इस प्रकार छह वर्षों में उसकी भागीदारी करीब डेढ़ गुना हो चुकी है। नए निवेशकों में भी जेन-जी का अनुपात 52.1 प्रतिशत से बढकर 59 प्रतिशत हो गया। इसी अवधि में नए निवेशकों की औसत आयु 29 वर्ष से घटकर 27 वर्ष रह गई। इसका सीधा अर्थ है कि भारत में निवेश की शुरुआत अब पहले की तुलना में कम उम्र में हो रही है।

शेयर बाजार के कुल निवेशक आधार में जेन-जी की 38.3 प्रतिशत हिस्सेदारी

एक समय शेयर बाजार को बड़े शहरों, ऊंची आय वाले परिवारों और अपेक्षाकृत अधिक उम्र के निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था। जेन-जी ने इस धारणा को काफी हद तक बदल दिया है। स्मार्टफोन, सस्ती इंटरनेट सेवा, आधार-आधारित सत्यापन, ऑनलाइन डीमैट खाते, डिजिटल भुगतान और निवेश मंचों ने छोटे शहरों तथा कस्बों के युवाओं के लिए भी बाजार के दरवाजे खोल दिए हैं। शेयर बाजार के कुल निवेशक आधार में जेन-जी की 38.3 प्रतिशत हिस्सेदारी उसकी बढ़ती भागीदारी को दर्शाती है। हर दस निवेशकों में करीब चार का इस पीढ़ी से होना भारतीय शेयर बाजार की सामाजिक और भौगोलिक संरचना में आ रहे व्यापक बदलाव को रेखांकित करता है।

युवा निवेशकों की बढ़ती संख्या के कारण घरेलू बचत का एक हिस्सा पारंपरिक जमा साधनों से निकलकर वित्तीय परिसंपत्तियों की ओर बढ़ रहा है। नियमित और दीर्घकालीन निवेश में वृद्धि होने पर कंपनियों को बाजार से पूंजी जुटाने में सुविधा मिलती है। इस पूंजी का उपयोग उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नई परियोजनाएं शुरू करने और रोजगार सृजित करने में किया जा सकता है। इसलिए युवा निवेशकों की भागीदारी का प्रभाव केवल शेयरों की खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वास्तविक अर्थव्यवस्था तक भी पहुंचता है। सेबी के निवेशक सर्वेक्षण 2025 के अनुसार, प्रतिभूति बाजार के उत्पादों के प्रति जेन-जी में जागरूकता 66 प्रतिशत थी, जो अन्य कई आयु-वर्गों की तुलना में अधिक है।

# गर्भावस्था के दौरान देखभाल में कमी से बढ़ता जोखिम

हाल के महीनों में राजस्थान के छोटे और दूर-दराज के अस्पतालों में इमरजेंसी सिजेरियन डिलीवरी के बाद प्रसूताओं की मौत के मामलों में चिंताजनक बढ़ोतरी देखी गई। ये दुखद घटनाएं सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि उन युवा प्रसूताओं की कहानी हैं, जिन्होंने नई जिंदगी को जन्म देते हुए अपनी जान गंवा दी। उनकी मौतें गर्भावस्था के दौरान देखभाल में गंभीर कमियों की ओर इशारा करती हैं। जिन महिलाओं की मौतें हुईं, उनमें अधिकांश पहले से ही हाई-रिस्क गर्भावस्था से जूझ रही थीं।

इनमें गर्भावस्था में टॉक्सेमिया (खतरनाक रूप से हाई ब्लड प्रेशर), एचईएलएलपी सिंड्रोम (लिवर और रक्त के थक्के बनने से जुड़ी गंभीर समस्या) तथा गंभीर एनीमिया जैसी स्थितियां शामिल थीं। हालांकि मौत का तात्कालिक कारण सिजेरियन ऑपरेशन के दौरान उत्पन्न जटिलताएं थीं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि मूल समस्या गर्भावस्था के दौरान पर्याप्त और समय पर देखभाल का अभाव था। गर्भावस्था के दौरान आयुर्वेदिक दवाओं के बढ़ते उपयोग ने भी विशेषज्ञों का ध्यान खींचा है। ये दवाएं अक्सर बिना चिकित्सकीय सलाह के ली जाती हैं और आशा वर्कर, एएनएम या पारंपरिक दाइयों द्वारा इनका रेकॉर्ड भी नहीं रखा जाता।

परिवार इन्हें प्राकृतिक और सुरक्षित मानते हैं, जबकि इनमें कुछ छिपे हुए जोखिम हो सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ जड़ी-बूटियां गर्भाशय को उत्तेजित कर समय से पहले संकुचन पैदा कर सकती हैं, हर्बल मिश्रण हार्मोनल संतुलन में बाधा डालते हैं जो स्वस्थ गर्भावस्था के लिए जरूरी हैं। कुछ आयुर्वेदिक दवाओं में लेड, मर्करी या आर्सेनिक जैसी धातुओं की मौजूदगी भी पाई गई है। ये कारक पहले से मौजूद हाई-रिस्क गर्भावस्था के साथ जुड़ जाएं तो मां और शिशु, दोनों के लिए गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ सकता है। गर्भावस्था के दौरान पारंपरिक उपचारों का रेकॉर्ड नहीं रखने से डॉक्टर्स के लिए जटिलताओं का कारण समझना मुश्किल हो जाता है। इमरजेंसी में यह जानलेवा साबित हो सकता है।

इसी कारण विशेषज्ञ मातृ मृत्यु में आयुर्वेदिक उपचारों की भूमिका की व्यवस्थित जांच की आवश्यकता बता रहे हैं। उनके अनुसार, क्लिनिकल ऑडिट, आयुर्वेदिक दवाओं की टॉक्सिकोलॉजिकल जांच और सामुदायिक सर्वे के माध्यम से इन उपचारों के वास्तविक प्रभाव का बेहतर आकलन किया जा सकता है। मकसद आयुर्वेद को खारिज करना नहीं है, जिसकी सांस्कृतिक जड़ें गहरी हैं, बल्कि सुरक्षा सुनिश्चित करना है। हेल्थ वर्कर्स को यह पूछना और रिकॉर्ड करना चाहिए कि गर्भवती महिलाएं कौन-से इलाज अपना रही हैं। परिवारों को गर्भावस्था के दौरान बिना जांचे-परखे हर्बल दवाओं के खतरों के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। डॉक्टरों को गर्भावस्था की जटिलताओं का इलाज करते समय हर्बल दवाओं से होने वाले जहरीले असर (टॉक्सिसिटी) पर विचार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अलावा सरकार गर्भवती महिलाओं के लिए बेची जाने वाली आयुर्वेदिक दवाओं को रेगुलेट कर सकती है और उनकी गुणवत्ता तथा सुरक्षा की नियमित जांच सुनिश्चित कर सकती है।

# जब बच्चे टू-व्हीलर्स के लिए जिद करें, तो उन्हें जीवन के सबक भी दें

एक दिन जब मैं बेंगलुरु में उस 7 किलोमीटर लंबे मार्ग से गुजर रहा था, जहां बायोकॉन पार्क, माइक्रो लैब्स लिमिटेड, एपोटेक्स रिसर्च, एचसीएल टेक्नोलॉजीज का सेज परिसर, कार्ल जेइस इंडिया, सैनसेरा इंजीनियरिंग और टोयोटा इंडस्ट्रीज इंजन इंडिया जैसी सैकड़ों बहुराष्ट्रीय कंपनियां स्थित हैं, तभी मेरे चचेरे भाई का फोन आया।

उन्होंने कहा, भाई, अरविंद (उनका बेटा, जो अभी 17 साल का हुआ है) कॉलेज जाने के लिए टू-व्हीलर मांग रहा है। मैंने उनसे पूछा कि तुम्हें इसमें ऐसी क्या चिंताजनक बात लग रही है, जो इस पर मेरी राय लेना चाहते हो?

उन्होंने कहा कि वह अभी तक ऊपर की मंजिल से नीचे तक कपड़ों की टोकरी तक बिना गिराए नहीं ला पाता, लेकिन टू-व्हीलर मांग रहा है। शायद उसके दोस्तों के पास टू-व्हीलर्स हैं, इसलिए उस पर पीयर-प्रेशर है। मैंने कहा कि मैं थोड़ी देर में फोन करता हूं और डिसकनेक्ट कर दिया।

उस महज 20 मिनट की ड्राइव पर मुझे एक घंटा लग गया। मेरे आगे चल रहे दोपहिया वाहनों को सड़क के क्षतिग्रस्त हिस्सों और गड्ढों से बचने की तमाम कोशिशों के बावजूद लगातार दचके लग रहे थे।

इस बोम्मासंद्रा-जिगनी लिंक रोड पर गड्ढों और उखड़ी सड़क से जूझते बड़ी संख्या में दोपहिया वाहन चालकों को देखकर मेरे मन में ऐसे सबक उभरने लगे, जिन्हें मैं अरविंद के पैरेंट्स से साझा कर सकता था। इनमें से कुछ सीखें मुझे पिता ने दी थीं, कुछ मैंने स्वयं वाहन चलाते हुए सीखी हैं और कुछ साथी बाइकर्स से मिली हैं :

अपनी पहचान का मोह छोड़ें : सड़क पर उतरते ही बाइकर्स को लगता है कि उन्हें एक खास तरह का व्यक्तित्व, पहनावा, अंदाज, सोच, बोलने और व्यवहार करने का तरीका अपनाना चाहिए। लेकिन जब मैं अपनी खरीदी बाइक पर पहली बार बैठा था तो मेरे पिता ने मुझे नसीहत देते हुए कहा था, एक बाइकर के रूप में तुम्हें ऐसी किसी चीज की जरूरत नहीं है। उन्होंने सहज अंदाज में कहा, तुम्हें कैसा होना चाहिए, इस विचार को छोड़ दो। तभी तुम उस व्यक्ति के लिए जगह बना पाओगे, जो तुम बन सकते हो या जो तुम पहले से हो।

पकड़ थोड़ी ढीली रखें : उनका दूसरा सबक था, अगर तुम तनकर रहोगे तो जीवन भी तनाव से भरा रहेगा। इग्निशन स्विच ऑन करते समय अपने कंधों को ढीला छोड़ो। इससे हैंडल पर पकड़ सहज रहेगी और तुम सहज होकर आगे बढ़ पाओगे।

सड़क पर गड्ढे और खराब हिस्से भी आएंगे, इसलिए कई बार अचानक दिशा बदलनी पड़ सकती है। जितनी कसकर हैंडल पकड़ोगे, उतनी ही मुश्किल होगी। बाद में मुझे एहसास हुआ कि यह हिदायत सिर्फ टू-व्हीलर चलाने तक सीमित नहीं थी, बल्कि यह जीवन के भी कई पहलुओं पर लागू होती है।

हर बाइकर का खयाल रखें : बाइक चलाना शुरू करने से पहले मुझे बाइकर-वेव के बारे में पता नहीं था। ये वो संकेत है, जिसमें दो बाइकर एक-दूसरे की ओर दो उंगलियां उठाकर अभिवादन करते हैं। लेकिन जब मुझे इसका अर्थ समझ में आया, तब तो मुझे इससे प्यार हो गया। दरअसल, यह केवल एक ग्रीटिंग भर नहीं, बल्कि सुरक्षित रहने का यूनिवर्सल संदेश भी है। यह छोटा-सा इशारा बार-बार सेफ-ड्राइविंग की याद दिलाता है।

सड़क पर प्रतिस्पर्धा न करें : कुछ लोग तेज रफ्तार से बाइक को पांचवें गियर में डालकर अगले ट्रैफिक सिग्नल के रेड होने से पहले ही वहां पहुंच जाना चाहते हैं। लेकिन मैंने यह सीखा है कि हर बाइक सवार की मंजिल एक जैसी नहीं होती।

वाहन चलाते समय भी करें एक्सरसाइज : मुझे कई अनुभवी ड्राइवरों ने बताया है कि वे ट्रैफिक सिग्नल पर हरी बत्ती का इंतजार करते समय श्वास संबंधी अभ्यास करते हैं। वे सिग्नल पर बचे सेकंड्स के अनुसार इसे समायोजित करते हैं। लेकिन कार सवारों की तुलना में बाइकर्स अकसर इतनी जल्दबाजी में रहते हैं कि ऐसी बुनियादी बातों को भूल जाते हैं। याद रखिए, यह हमारे शरीर के लिए अच्छा है और दिमाग को शांत रखता है- फिर चाहे आप बाइक पर हों या नहीं। साथ ही, इससे आसपास के माहौल को बेहतर तरीके से देखने की क्षमता भी विकसित होती है, जो सुरक्षित ड्राइविंग के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

फंडा यह है कि यदि आपका बच्चा टू-व्हीलर की मांग करता है, तो उसकी बात पर विचार जरूर कीजिए, लेकिन हेलमेट पहनने और यातायात नियमों का पालन करने की सीख देने के साथ-साथ उसे ये सिद्धांत भी सिखाइए।

## युग तुलसी श्रीरामकिंकर उवाच ...

कैकेईजी मंथरा से कहती है कि मंथरा ! क्या तुम जानती हो कि जब मैं पूजा करती हूं, इतना दान देती हूं तो इन सबके बदले में क्या वरदान मांगती हूं ? मंथरा ने जानना चाहा कि क्या मांगती हो ? तो कैकेईजी ने कहा कि अगर ब्रह्मा मेरे ऊपर प्रसन्न है तो मुझे मुक्ति न दे अपितु पुनर्जन्म दें। और जब मेरा अगला जन्म हो तो राम मेरे पुत्र बनें और सीता मेरी बहू बने। यद्यपि यह संकल्प भावुकता से ओतप्रोत दिखाई देता है। लेकिन भावुकता की आड़ में दुर्बलता छिपी हुई है। प्रश्न यह है कि जब राम अपनी मां से अधिक कैकेईजी को चाहते हैं तो फिर कैकेई के मन में यह अभिलाषा क्यों बनी हुई है ? मंथरा ने पूछ दिया कि जब राम आपको इतना अधिक चाहते हैं तो आप यह क्यों चाहती हैं कि अगले जन्म में राम आपके बेटे बनें ? वे तो इसी जन्म में आपको अधिक मान रहे हैं। यह भी हो सकता है कि जब वे आपके गर्भ से जन्म लें तो किसी और को आपसे बड़ा मानें।

और तब कैकेईजी की दुर्बलता प्रकट हो गई। कैकेईजी ने कहा, मंथरा ! बात यह है कि मैं चाहे राम से जितना प्यार करूं और चाहे राम मुझे जितना प्यार करें पर राम को कोई मेरा बेटा नहीं कहता, सब कौशल्या का ही बेटा कहते हैं। इसलिए मैं चाहती हूं कि लोग उन्हें मेरा बेटा कहें। और उनके अंत:करण में यही एक ऐसा अहं विद्यमान है, जिससे उनको संतोष नहीं होता। तथा उनके अंत:करण की इसी अहं वृत्ति को मंथरा ने जगा दिया। उसके पश्चात उसने तीनों कार्य करके दिखा दिए। उसने कैकेई के अंत:करण में भेद भी उत्पन्न किया, संशय भी उत्पन्न किया और प्रलोभन भी उत्पन्न कर दिया।

शिष्य विशु व्ही.पी. नेगी
श्री रामकिंकर आध्यात्मिक मिशन रायपुर
मो.नं. 9425227937

# नेकी लौटती है, हम तक नहीं तो हमारे बच्चों तक पहुंचती है

कुछ तारीखें अविस्मरणीय बन जाती हैं, इसलिए नहीं कि उस दिन कुछ खास घटित हुआ था बल्कि इसलिए कि वे समाज में नेकी का एहसास कराती हैं। 20 जुलाई ऐसी ही एक तारीख है। आप यह पढ़कर जो घटनाक्रम याद कर रहे हैं, उस पर मैं बाद में आऊंगा। लेकिन उससे पहले मैं आपको आईआईटी कानपुर में 20 जुलाई 2024 के दिन पर लेकर चलता हूं।

दरअसल, इस कहानी की शुरुआत बहुत पहले हुई थी। इसके बीज पद्मश्री से सम्मानित और फिजिक्स के जाने-माने शिक्षक प्रो. एच.सी. वर्मा ने बोए थे, जो मानते थे कि कोई छोटा-सा योगदान भी असाधारण बदलाव ला सकता है। आईआईटी कानपुर में प्रोफेसर एमेरिटस रहे प्रो. वर्मा ने 1994 से 2017 तक वहां फिजिक्स पढ़ाई और बाद में कैंपस के ऑपर्च्युनिटी स्कूल में स्पेशल एडवाइजर के तौर पर सेवा दी। 1964 में स्थापित यह स्कूल समीप ही रहने वाले कैंपस के सपोर्टिंग स्टाफ और आसपास के जरूरतमंद परिवारों के बच्चों को मुफ्त शिक्षा देता आ रहा है। इनमें से कई बच्चे भूखे स्कूल आते थे। कुछ असेंबली में बेहोश हो जाते थे। कुछ का पढ़ाई में मन नहीं लगता या वे स्कूल ही नहीं आते थे, क्योंकि भूखे पेट पढ़ाई नामुमकिन है। प्रो. वर्मा इसे बदलना चाहते थे।

उनके मन में एक एनजीओ के जरिए बच्चों को पौष्टिक भोजन मुहैया कराने का विचार पहली बार 2017 में आया, लेकिन फंडिंग को लेकर मतभेद के कारण सिरे नहीं चढ़ पाया। 2024 में यह विचार फिर चर्चा में आया तो दूसरी बाधा थी कि एनजीओ ने जितने स्टूडेंट मांगे, उतने स्कूल में थे ही नहीं। लेकिन हार मानने के बजाय आईआईटी समुदाय ने खुद रास्ता खोजा।

एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के असिस्टेंट प्रोफेसर टी.के. गुहा, जो हॉल-5 के वार्डन भी थे, ने मेस मैनेजर अंशु जोशी के साथ मिलकर एक सरल-सा समाधान निकाला कि हॉल-5 का हर स्टूडेंट अपनी पॉकेट मनी से हर हफ्ते सिर्फ 5 रुपए देगा। और 20 जुलाई 2024 को बच्चों को पहला भोजन परोसा गया।

जो शुरुआत में छोटा-सा प्रयोग लग रहा था, जल्द ही एक मुहिम बन गई। नवंबर 2024 तक हॉल 1, 3 और 8 के साथ गर्ल्स हॉस्टल-1 भी इसमें जुड़ गया, ताकि हर हफ्ते बच्चों को स्कूल के सभी पांचों दिन पौष्टिक खाना मिल सके। जैसे-जैसे यह बात स्टूडेंट्स जिमखाना और हॉस्टल अफेयर्स की काउंसिल ऑफ स्टूडेंट्स के जरिए फैली, और स्टूडेंट इसमें जुड़ते गए।

आज आईआईटी, कानपुर के 1,649 छात्र हर हफ्ते 5 रुपए का योगदान देते हैं। इसका अर्थशास्त्र बेहद आसान है। करीब 250 बच्चों को एक समय का पौष्टिक भोजन कराने में लगभग 3 हजार रुपए खर्च होते हैं, यानी हर छात्र के मेस बिल में महीने के सिर्फ 20 रुपए अतिरिक्त जुड़ते हैं।

चावल, गेहूं, चना और राजमा जैसी चीजों की थोक खरीदी के कारण लागत कम होती है और यह कार्यक्रम टिकाऊ बना रहता है।लेकिन इसके असल फायदों को पैसों में नहीं मापा जा सकता। शिक्षकों ने देखा कि बच्चे अधिक स्वस्थ, ऊर्जावान और अटेंटिव हो गए।

उनकी अटेंडेंस में सुधार और वे खुश रहने लगे। सबसे अहम आईआईटी स्टूडेंट्स ने वो सबक सीखा, जो कोई किताब नहीं सिखा सकती- यदि अपने हिस्से का छोटा-सा हिस्सा भी बांटें तो यह दूसरों की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है।

अब 20 जुलाई 2026 पर लौटते हैं। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों तक देशभर से अनजान लोगों ने भोजन पहुंचाया। कोई नहीं जानता, किसने उसका पैसा दिया। भोजन भेजने वालों को भी नहीं पता कि किसने उसे खाया। लेकिन चुपचाप, बिना किसी प्रचार के भोजन पहुंचता रहा, मानो करुणा ने खुद अपना रास्ता खोज लिया हो।

इन दोनों कहानियों में बहुत सारी समानताएं हैं। शायद अच्छाई भी ऐसे ही काम करती है। हम जो भलाई करते हैं, शायद हमें कभी भी वह उसी रूप में वापस नहीं मिलती। कई बार उसका फल हमें सीधे नहीं मिलता। लेकिन कहीं पर, किसी दिन वह किसी जरूरतमंद तक पहुंचता जरूर है- शायद खुद हमारे बच्चों तक या भावी पीढ़ी तक।

फंडा यह है कि दया से भरे छोटे-से काम को भी कमतर न समझें। अच्छे कर्मों का लौटकर आने का अपना तरीका होता है। अगर वे सीधे हम तक नहीं पहुंचते तो हमारे बाद आने वाली पीढ़ी के जीवन में लौटते हैं।

# 5 नए मेडिकल कॉलेज खुल रहेः फैकल्टी के 900 से ज्यादा पद खाली, दो साल में 70 डॉक्टरों ने छोड़ी नौकरी

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में मेडिकल शिक्षा के विस्तार और जमीनी हकीकत में बड़ा फासला सामने आया है। एक तरफ सरकार इस साल पांच नए सरकारी और एक निजी मेडिकल कॉलेज शुरू कर रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी के 900 से ज्यादा पद खाली हैं।

संविदा डॉक्टर लगातार नौकरी छोड़कर निजी मेडिकल कॉलेजों में जा रहे हैं, जबकि नए कॉलेजों में भेजे गए प्रमोटेड डॉक्टर भी नई पोस्टिंग स्वीकार नहीं कर रहे। चार डॉक्टर तय समय में जॉइन नहीं हुए और एक ने तो प्रमोशन लेने के बजाय वीआरएस का आवेदन दे दिया।राज्य सरकार मेडिकल शिक्षा का दायरा लगातार बढ़ा रही है। इस वर्ष पांच नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों के साथ एक निजी मेडिकल कॉलेज को मंजूरी दी गई है।

निजी मेडिकल कॉलेजों की एमबीबीएस सीटें भी बढ़ाई गई हैं। लेकिन इस विस्तार के बीच सबसे बड़ा संकट फैकल्टी का है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में डाक्टरों के 900 से अधिक पद खाली हैं।

इनमें प्रोफेसरों के 121 पद, सह-प्राध्यापकों (एसोसिएट प्रोफेसर) के 200 से अधिक पद तथा सहायक प्राध्यापकों और

सीनियर रेजीडेंट के 600 से अधिक पद रिक्त हैं। यानी नए मेडिकल कॉलेज शुरू हो रहे हैं, लेकिन पुराने कॉलेजों में ही पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध नहीं हैं।

डॉक्टरों की कमी दूर करने के लिए हाल ही में पांच नए मेडिकल कॉलेजों में 35 प्रोफेसरों की भर्ती निकाली गई, लेकिन केवल 7 आवेदन मिले। इसके बाद सरकार ने पुराने मेडिकल कॉलेजों से डॉक्टरों को पदोन्नति देकर नए कॉलेजों में भेजने का निर्णय लिया। लेकिन यह व्यवस्था भी कारगर साबित नहीं हुई।

पदोन्नति मिलने के बाद चार डॉक्टरों ने निर्धारित अवधि में नई पदस्थापना पर जॉइन नहीं किया, जबकि एक डॉक्टर ने वीआरएस का आवेदन दे दिया। यानी प्रमोशन भी नए मेडिकल कॉलेजों में फैकल्टी उपलब्ध कराने का प्रभावी माध्यम नहीं बन पाया। दूसरी तरफ सरकारी मेडिकल कॉलेजों से संविदा डॉक्टर लगातार बाहर हो रहे हैं।

नए कॉलेजों के लिए अलग से फैकल्टी नहीं मिल रही, पुराने कॉलेजों से डॉक्टर निकाले जा रहे हैं और जिन्हें प्रमोशन देकर भेजा जा रहा है, वे भी नई जगह जाने से बच रहे हैं। यही स्थिति मेडिकल शिक्षा के विस्तार पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है।

भर्ती प्रक्रिया जारी है... नए मेडिकल कॉलेजों में भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। कक्षाएं शुरू होने के पहले प्रयास करेंगे कि सभी पद भर दिए जाएं। जरूरत पड़ी तो सेवा शर्तों में बदलाव किया जाएगा ताकि ज्यादा डॉक्टर मिलें। पुराने कॉलेजों में भी कमी दूर की जा रही है। **-श्याम बिहारी जायसवाल, स्वास्थ्य मंत्री, छत्तीसगढ़**

किराए
पर उपलब्ध है
तेलीबांधा शीतल कॉम्प्लेक्स में दुकान/ऑफिस के लिए जगह किराए पर उपलब्ध है।
संपर्क-9302222222

## सिंधी समाज के कार्यक्रम में पहले बजेगा छत्तीसगढ़ी राजगीत

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ पूज्य सिंधी पंचायत के प्रदेश स्तरीय मुखी संवाद में समाज से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए। कार्यक्रम में प्रदेश की करीब 90 पंचायतों के मुखिया और लगभग 600 मेंबर शामिल हुए। चर्चा में तय किया गया कि अब सिंधी समाज के हर बड़े कार्यक्रम की शुरुआत छत्तीसगढ़ी राजगीत 'अरपा पैरी के धार' से होगी। वहीं समाज में धर्मांतरण और लव जिहाद जैसे मामलों को रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाने और ठोस योजना बनाने पर भी सहमति बनी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राज्यपाल रमेन डेका और रायपुर उत्तर के विधायक पुरंदर मिश्रा मौजूद रहे। शुरुआत भगवान झूलेलाल की आरती और दीप प्रज्ज्वलन से हुई। राज्यपाल ने कहा कि किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी स्थानीय पंचायतें होती हैं। उन्होंने सिंधी समाज को सेवा और सामाजिक कार्यों के लिए समर्पित समाज बताते हुए उम्मीद जताई कि मुखी संवाद से समाज के विकास के लिए नई कार्ययोजना बनेगी।

# 6 महीने में हाईवे-पेट्रोलिंग ने बचाई 52 लोगों की जान

## NH-53 पर 55 हादसों में पहुंची टीम, 6,359 वाहन हटाए; 4 नए वाहन तैनात

**रायपुर।** राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर सड़क हादसों में घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने और यातायात व्यवस्था बेहतर बनाए रखने के लिए हाईवे पेट्रोलिंग टीम लगातार सक्रिय है। जनवरी से जून 2026 के बीच हाईवे पेट्रोलिंग टीम ने 55 सड़क दुर्घटनाओं में तत्काल कार्रवाई की।

इस दौरान 52 घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस के अनुसार, त्वरित राहत और चिकित्सा सहायता मिलने से कई लोगों की जान बचाने में मदद मिली। इसी अवधि में हाईवे पर यातायात बाधित करने वाले 6,359 वाहनों को हटाया गया, जिससे आवागमन सुचारु बना रहा।

वहीं, हाईवे पेट्रोलिंग को और प्रभावी बनाने के लिए 4 नए पेट्रोलिंग वाहन भी तैनात किए

गए। डीसीपी ट्रैफिक डॉ. अर्चना झा के निर्देशन में हाईवे पेट्रोलिंग टीम सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही तुरंत मौके पर पहुंचती है। टीम सबसे पहले घायलों को प्राथमिक उपचार देकर उन्हें समय पर अस्पताल पहुंचाती है। साथ ही दुर्घटना स्थल पर यातायात को सुचारु कर सड़क पर मौजूद वाहनों और अन्य बाधाओं को हटाने का काम भी करती है।

हाईवे पेट्रोलिंग ने सड़क सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के तहत जून तक 6,359 अवैध पार्किंग वाले वाहनों को हटाया। इसके अलावा सड़क पर घूम रहे 833 मवेशियों को सुरक्षित हटाया गया। जाम की स्थिति बनने पर टीम ने मौके पर पहुंचकर यातायात को सुचारु कराया।

### 4 नए आधुनिक पेट्रोल वाहन मिले

सड़क सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए जून में पुलिस मुख्यालय ने यातायात पुलिस रायपुर को 4 नए आधुनिक हाईवे पेट्रोल वाहन उपलब्ध कराए हैं। इनमें आवश्यक आपातकालीन उपकरण मौजूद हैं। इससे हादसों की सूचना पर घटनास्थल तक पहुंचने और राहत-बचाव कार्य करने की क्षमता बढ़ी है।

खारुन नदी पुल से महानदी पुल तक NH-53 को चार सेक्टरों में बांटकर 24 घंटे निगरानी की जा रही है। पेट्रोलिंग टीम दुर्घटना रोकने, यातायात प्रबंधन और आपात सहायता के लिए लगातार गश्त करती है। पुलिस ने वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने और किसी भी आपात स्थिति में हाईवे पेट्रोलिंग टीम को तत्काल सूचना देने की अपील की है।

## फर्जीवाड़ा करने वालों की एआई से पहचानःबंद जीएसटी नंबरों से बड़ा कारोबार, ऐसे करीब 3000 की पहचान; सबको नोटिस

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ में जीएसटी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। राजधानी समेत राज्यभर में करीब तीन हजार ऐसे कारोबारियों, संस्थानों और कंपनियों की पहचान हुई है जो जीएसटी रजिस्ट्रेशन कैंसिल कराने के बाद भी उसी नंबर से कारोबार कर रहे हैं। कारोबार करने के बावजूद न तो वो कोई रिटर्न जमा कर रहे हैं और न ही किसी तरह का टैक्स जमा कर रहे।

एआई टूल्स से लगातार जांच और कैंसिल नंबरों से सरकारी बिल लगाने और उसका भुगतान लेने की वजह से इनकी पहचान हुई है। सभी सरकारी विभागों से होने वाले बड़े भुगतान की जानकारी जीएसटी वालों को भी दी जाती है। ताकि कोई भी इनपुट टैक्स क्रेडिट वापसी का क्लेम करे तो विभाग के पास इस बात की जानकारी रहे कि उनका टैक्स कितना काटा गया है।

इस तरह के खुलासे के बाद विभाग के अफसर भी हैरान हैं। दरअसल कई तरह की कंपनियां और कारोबारी टैक्स बचाने के लिए जीएसटी पंजीयन रद्द करवा देते हैं। लेकिन कुछ हफ्ते या महीनों के बाद इसी नंबर से दोबारा कारोबार शुरू कर देते हैं।

वे पुराने बिल का ही इस्तेमाल करते हैं। बिल और लेटरपैड में जीएसटी नंबर होने की वजह से कोई भी उन पर शक नहीं करता है। न ही व्यापार के दौरान जीएसटी नंबरों की जांच कराई जाती है। इसलिए कारोबार पहले की ही तरह चलता रहता है। इससे किसी भी तरह का कारोबार करने वालों को लाखों का फायदा हो रहा है। इतना ही नहीं रद्द जीएसटी नंबरों का उपयोग बोगस फर्म बनाने के लिए भी किया जा रहा है।

फर्जीवाड़ा करने वाले कारोबारियों पर कार्रवाई जारी बंद जीएसटी नंबरों से कारोबार करने वालों की पहचान कर लगातार कार्रवाई की जा रही है। किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा करने वाले कारोबारियों पर सख्ती जारी रहेगी। - **पुष्पेंद्र सिंह मीणा, आयुक्त स्टेट जीएसटी**

## रायपुर में एआई गणपति मूर्तियां बनाने से बच रहे मूर्तिकारःपिछले साल फिल्मी स्टाइल प्रतिमाओं पर हुआ था बवाल

**रायपुर।** 14 सितंबर से गणेश चतुर्थी के साथ गणेश उत्सव की शुरुआत होगी। रायपुर में भी बप्पा के स्वागत की तैयारियां जारी हैं। शहर के मोहल्लों, चौक-चौराहों और घरों में करीब 15 हजार से ज्यादा छोटी-बड़ी गणेश प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। मूर्तिकार दिन-रात प्रतिमाओं को रूप देने का काम कर रहे हैं। इस बार भगवान गणेश के शिव, श्रीराम, श्रीकृष्ण, बाल गणेश, बालाजी और अर्धनारीश्वर जैसे कई स्वरूपों की प्रतिमाएं बनाई गई हैं। हालांकि, एक बात सबसे अलग है। इस बार अधिकांश मूर्तिकार द्ध (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से तैयार डिजाइन वाली प्रतिमाएं बनाने से बच रहे हैं। मूर्तिकारों का कहना है कि पिछले साल रायपुर के लाखे नगर में एक गणेश प्रतिमा के स्वरूप को लेकर विवाद हुआ था। हिंदू संगठनों ने प्रतिमा के डिजाइन पर आपत्ति जताई थी। मामला इतना बढ़ गया कि विरोध प्रदर्शन हुआ और पुलिस तक शिकायत पहुंची। इस घटना के बाद अधिकांश मूर्तिकारों ने तय किया कि धार्मिक प्रतिमाओं में एआई जैसे प्रयोग नहीं करेंगे, जिससे किसी तरह का विवाद खड़ा न हो।

## इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में विजय दिवस कार्यक्रमः 80 एनएसएस स्वयंसेवक हुए शामिल, कारगिल के वीर योद्धा ने सुनाए युद्ध के अनुभव

**रायपुर।** इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) प्रकोष्ठ की ओर से रविवार को कारगिल विजय दिवस पर कृषि महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विश्वविद्यालय के अलग-अलग महाविद्यालयों के करीब 80 एनएसएस स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. संजय शर्मा ने की, जबकि मुख्य अतिथि कारगिल युद्ध के वीर योद्धा और राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित पूर्व सैनिक सुबेदार मेजर गोवर्धन शर्मा रहे।

कार्यक्रम में सुबेदार मेजर

गोवर्धन शर्मा ने कारगिल युद्ध के अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि भारतीय सैनिकों ने कठिन परिस्थितियों में साहस, धैर्य और राष्ट्रभक्ति का परिचय देकर दुश्मनों का मुकाबला किया। उन्होंने शहीद जवानों के बलिदान का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा और देशभक्ति को जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस दौरान छात्रों ने उनसे संवाद कर युद्ध से जुड़े अनुभव भी सुने।

कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने संदेश में युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया।

**युवाओं को दिलाया राष्ट्र सेवा का संकल्पः** कार्यक्रम की शुरुआत एनएसएस के लक्ष्य गीत से हुई। अतिथियों का स्वागत करने के बाद डॉ. संजय शर्मा ने छात्र-छात्राओं और स्वयंसेवकों को देश की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा का संकल्प दिलाया। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने अपने संदेश में युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और जिम्मेदार नागरिक बनने का आह्वान किया।

## आयुर्वेद अस्पताल पर बढ़ा भरोसा; 5 साल में 10 गुना बढ़ी ओपीडी

**रायपुर।** राजधानी समेत प्रदेश में आयुष चिकित्सा के प्रति लोगों का रुझान तेजी से बढ़ा है। रायपुर और बिलासपुर के शासकीय आयुर्वेद अस्पतालों में पांच साल पहले जहां रोज 50-60 मरीज ओपीडी में पहुंचते थे, वहीं अब यह संख्या 550 से अधिक हो गई है।

दोनों अस्पतालों में सालाना करीब दो लाख मरीज उपचार करा रहे हैं। डॉक्टरों के मुताबिक एलोपैथी उपचार का बढ़ता खर्च, मुफ्त दवाएं और पुराने रोगों में राहत मिलने से मरीजों का भरोसा बढ़ा है।

इसका असर आयुष शिक्षा पर भी दिख रहा है। प्रदेश के दो शासकीय आयुष कॉलेजों की 75-75 सीटें पहले ही काउंसिलिंग राउंड में भर जाती हैं। छह निजी कॉलेजों में आयुर्वेद, यूनानी, होमियोपैथी तथा प्राकृतिक चिकित्सा एवं योग की 440 सीटों में भी हर साल करीब 90 फीसदी प्रवेश हो रहे हैं।

प्रदेशभर से आ रहे मरीज, हर तरह की बीमारी का इलाज रायपुर, बिलासपुर, रायगढ़, सरगुजा, दुर्ग, दल्ली-राजहरा और जगदलपुर के आयुर्वेद अस्पतालों तथा 635 औषधालयों में हर साल 30 लाख से अधिक लोगों का इलाज हो रहा है। यहां सर्दी-खांसी, पेट, डायबिटीज, बीपी, साइटिका, स्लिप डिस्क, लकवा और जोड़ों के दर्द के मरीज अधिक पहुंचते हैं।

बढ़ती मांग से आयुर्वेद व होमियोपैथी डॉक्टरों की सैलरी 40 हजार से 1.5 लाख रुपए प्रतिमाह तक पहुंच गई है, जबकि निजी प्रैक्टिस से आय इससे अधिक है।

### खाली पद भी जल्द भरेंगे

आयुर्वेद अस्पतालों में इलाज कराने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जहां पहले लोग कम आते थे अब उनकी संख्या कई गुना बढ़ गई है। रायपुर आयुर्वेद कॉलेज में अभी प्रोफेसर का एक भी पद खाली नहीं है। रीडर के 23 पदों में 2 और व्याख्याता के 35 पदों में केवल 5 ही खाली हैं। **-प्रवीण कुमार जोशी, प्राचार्य आयुर्वेद कॉलेज रायपुर**

# प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रहीं ममता?:गन्ने के चूरे और गोबर से खाद बनाकर 1.60 एकड़ खेत में उगा रहीं 4 फसलें

**रायपुर/अंबिकापुर।** अंबिकापुर-बनारस रोड पर स्थित चठिरमा की महिला किसान ममता सरकार अब पारंपरिक तरीकों से आगे बढ़कर इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम (आईएफएस) मॉडल की नई मिसाल पेश कर रही हैं। वे वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती कर रही हैं।

इससे न केवल उनके खेतों को रसायन-मुक्त होने का लाभ मिल रहा है, बल्कि वे आर्थिक रूप से भी बेहद सशक्त हुई हैं। ममता अपने 1.60 एकड़ के खेत में फसल बदल-बदलकर एक साल में चार अलग-अलग फसलें ले रही हैं। इन खेतों में वे मुख्य रूप से करेला, मूली, बरबट्टी और आलू की उपज ले रही हैं। मूली की फसल से उन्हें विशेष रूप से काफी अच्छा मुनाफा हो रहा है।

कृषि विज्ञान केंद्र, अंबिकापुर के वैज्ञानिकों की सलाह पर रासायनिक खेती से दूरी बनाते हुए ममता पूरी तरह से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दे रही हैं। प्राकृतिक खाद के लिए बाजार पर निर्भर रहने के बजाय वे सूरजपुर जिले के केतका शुगर मिल से पेराई के बाद गन्ने का बचा हुआ चूरा लाती हैं।

इस चूरे को गोबर के साथ मिलाकर वे प्राकृतिक खाद खुद तैयार करती हैं। इस खाद के उपयोग से न सिर्फ उपज अच्छी होती है, बल्कि फसल को पूरी तरह ऑर्गेनिक ग्रोथ मिलती है। इंटीग्रेटेड फार्मिंग को अपनाते हुए वे खेती के साथ-साथ गाय पालन और मुर्गी पालन भी कर रही हैं। दूध और अंडे के व्यवसाय से उन्हें हर सीजन में अच्छी अतिरिक्त आमदनी हो रही है।

कृषि विज्ञान केंद्र के प्रमुख व वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. संदीप शर्मा ने कहा कि ममता केवीके के वैज्ञानिकों की सलाह और तकनीकी मार्गदर्शन पर ही खेती कर रही हैं। उन्होंने कम जमीन में भी इंटीग्रेटेड फार्मिंग सिस्टम मॉडल अपनाया। उन्होंने जैविक खाद तैयार कर अपनी लागत आधी कर दी।

सब्जियों के अलावा ममता बारहों महीने फूलों की खेती भी करती हैं। इसमें गेंदा उनकी आय का सबसे प्रमुख स्रोत है। वे अगस्त महीने में गेंदे की खेती की शुरुआत करती हैं। इसके फूल दीपावली के वक्त नवंबर में पूरी तरह तैयार हो जाते हैं।

Vastu Guruji
BEST PLACE FOR VASTU REMEDY

BUY NOW >
CALL 9770888888

वास्तु गुरुजी सिकंदर राणा जी के अनुसार आज का राशिफल
मो.नं. : 9770888888

**मेष।** आज भाग्य आपके पक्ष में रहेगा और लंबे समय से रुके हुए कार्यों में गति आने की संभावना है। धर्म-कर्म, पूजा-पाठ और आध्यात्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ेगी, जिससे मानसिक शांति और आत्मविश्वास मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा तथा आपकी मेहनत की सराहना होगी। आर्थिक मामलों में सुधार के संकेत हैं और किसी पुराने निवेश से लाभ मिल सकता है।

**वृषभ।** आज का दिन आत्मचिंतन और आध्यात्मिक साधना के लिए विशेष रूप से शुभ रहेगा। मन शांत रहेगा और जीवन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरता से विचार करेंगे। कार्यक्षेत्र में धैर्य और समझदारी से लिए गए निर्णय लाभदायक सिद्ध होंगे। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी से बचें और अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

**मिथुन।** आज जीवनसाथी और साझेदारों के साथ संबंध मधुर रहेंगे। आपसी विश्वास बढ़ेगा और किसी महत्वपूर्ण योजना पर मिलकर काम करने का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा और संवाद कौशल की सराहना होगी, जिससे नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों के लिए दिन लाभदायक रहेगा और नई साझेदारी से अच्छा लाभ मिलने की संभावना है।

**कर्क।** आज शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने और कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलने का दिन है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और सेवा भाव से किए गए कार्यों की प्रशंसा होगी। वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा, जिससे रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी और आय के नए अवसर मिल सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी। किसी पुराने विवाद का समाधान भी संभव है।

**सिंह।** आज आपकी बुद्धि और विवेक आपको सही निर्णय लेने में मदद करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी और नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार मिलने से मन प्रसन्न रहेगा। आर्थिक मामलों में स्थिति मजबूत होगी तथा निवेश से जुड़े निर्णय सोच-समझकर लें। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है और प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलने की संभावना है।

**कन्या।** आज घर-परिवार में सुख, शांति और सौहार्द का वातावरण बना रहेगा। माता का आशीर्वाद और परिवार का सहयोग आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा। कार्यक्षेत्र में आपके प्रयास सफल होंगे और वरिष्ठ अधिकारी आपके काम से संतुष्ट रहेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा तथा कोई रुका हुआ कार्य पूरा होने की संभावना है। व्यापारियों के लिए भी दिन लाभदायक रहेगा।

**तुला।** आज साहस, उत्साह और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। भाई-बहनों का सहयोग मिलने से महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और नए अवसर सामने आ सकते हैं। व्यापारियों को लाभ मिलने की संभावना है तथा आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार के साथ किसी शुभ कार्य की योजना बन सकती है।

**वृश्चिक।** आज परिवार के साथ अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा और रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। धन-संपदा में वृद्धि के योग बन रहे हैं तथा किसी पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत की सराहना होगी और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों को लाभकारी सौदे मिलने के संकेत हैं। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन खान-पान का ध्यान रखें।

**धनु।** आज चंद्रमा आपकी ही राशि में होने से आत्मविश्वास और ऊर्जा भरपूर रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी सक्रियता और नेतृत्व क्षमता की सराहना होगी। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने की संभावना है। आर्थिक मामलों में सुधार होगा और आय के नए स्रोत बन सकते हैं। परिवार के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा तथा जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा और पढ़ाई में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन अनियमित दिनचर्या से बचें।

**मकर।** आज कार्यक्षेत्र में आपका मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ेगी। वरिष्ठ अधिकारी आपके कार्यों से प्रभावित होंगे और नई जिम्मेदारियां सौंप सकते हैं। समाज में आपकी छवि मजबूत होगी तथा लोगों का विश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी और पुराने निवेश से लाभ मिलने की संभावना है। परिवार का सहयोग मिलेगा तथा किसी शुभ समाचार से घर में खुशी का माहौल बनेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, लेकिन काम के साथ आराम भी जरूरी है।

**कुंभ।** आज आपकी मनोकामनाएं पूरी होने के संकेत मिल रहे हैं। मित्रों और शुभचिंतकों का सहयोग मिलेगा, जिससे महत्वपूर्ण कार्य आसानी से पूरे होंगे। कार्यक्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे और आपकी प्रतिभा की सराहना होगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी तथा रुका हुआ धन मिलने की संभावना है। परिवार के साथ सुखद समय बीतेगा और सामाजिक दायरा भी बढ़ेगा। विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, लेकिन नियमित व्यायाम करना लाभदायक होगा।

**मीन।** आज आपका मन आध्यात्मिक चिंतन, पूजा-पाठ और धार्मिक गतिविधियों में अधिक लगेगा। तीर्थ यात्रा या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। आर्थिक मामलों में सुधार होगा तथा भविष्य की योजनाओं पर काम करने का सही समय है। परिवार का सहयोग और जीवनसाथी का साथ मनोबल बढ़ाएगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा, लेकिन नियमित दिनचर्या बनाए रखना आवश्यक है। धैर्य, संयम और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ेंगे तो दिन आपके लिए सुखद और सफल साबित होगा।

# झारखंड में अब आसान होगी टैक्स व्यवस्था: विधानसभा के मानसून सत्र में जीएसटी संशोधन विधेयक पेश करेगी सरकार



**रांची।** महाराष्ट्र के बाद झारखंड देश का दूसरा राज्य होगा, जहां जीएसटी विधेयक बदलेगा झारखंड सरकार राज्य में कारोबार को सुगम बनाने और व्यापारियों को राहत देने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। वर्तमान में लागू जीएसटी अधिनियम, 2017 में संशोधन के लिए राज्य सरकार विधानसभा के मानसून सत्र में संशोधन विधेयक पेश करेगी।

इसके बाद झारखंड देश का दूसरा राज्य होगा, जो केंद्र के नए प्रावधानों के अनुरूप अपने जीएसटी कानून में संशोधन लागू करेगा। इससे पहले महाराष्ट्र में संशोधन हो चुका है। विधानसभा से विधेयक पारित और अधिसूचित होने के बाद राज्य के व्यापारियों और उद्यमियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य व्यवसायियों के लिए कर प्रणाली को व्यापार अनुकूल बनाना, रिफंड प्रक्रिया को तेज करना, निर्यात को प्रोत्साहित करना और राज्य व केंद्र सरकार के बीच एक समान जीएसटी ढांचा लागू करना है।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने पिछले बजट सत्र में जीएसटी अधिनियम में संशोधन किया था। लेकिन राज्यों में यह तभी लागू होगा, जब राज्य सरकार भी अपने यहां वैसा ही संशोधन अधिनियम लाएगी।

राज्य सरकार इसे लागू करने के लिए पहले अध्यादेश जारी करने की तैयारी कर रही थी। लेकिन विधानसभा का मानसून सत्र अधिसूचित होने के कारण सरकार ने इसी सत्र में यह विधेयक लाने का फैसला किया। इसका प्रारूप तैयार किया जा रहा है। विधेयक पारित होने के बाद राज्य वाणिज्य कर विभाग अपने आईटी सिस्टम और जीएसटी पोर्टल पर बदलाव करेगी। संबंधित अधिकारियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें नए प्रावधानों के अनुसार अपडेट करेगी।

जानिए...संशोधन में क्या-क्या प्रमुख बदलाव होंगे 1. बिक्री के बाद छूट के नियम सरल होंगे -पोस्ट सेल डिस्काउंट (बिक्री के बाद छूट) के नियम सरल होंगे। कंपनियां सामान बेचने के बाद दिए जाने वाले डिस्काउंट के लिए अधिक स्पष्टता के साथ क्रेडिट नोट जारी कर सकेंगी। इससे टैक्स अधिकारियों और व्यापारियों के बीच डिस्काउंट को लेकर होने वाले कानूनी विवाद काफी हद तक खत्म होंगे। 2. रिफंड की व्यवस्था में सुधार होगा -जिन मामलों में इनपुट टैक्स पर दिया गया कर आउटपुट टैक्स दायित्व से अधिक है, वहां कारोबारियों को अंतरिम रिफंड देने का प्रावधान किया जाएगा। 3. छोटे निर्यातकों को होगा फायदा - निर्यात पर आईजीएसटी रिफंड के लिए न्यूनतम सीमा हटेगी। इससे छोटे निर्यातकों को छोटे दावों पर भी रिफंड की सुविधा मिलेगी। सेवाओं की आपूर्ति के स्थान के नियमों में सुधार से अंतरराष्ट्रीय सेवा लेनदेन में कर निर्धारण स्पष्ट होगा, जिससे भारतीय सेवा निर्यातक वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे। 4. ईज ऑफ डु?इंग बिजनेस आसान होगा -ईज ऑफ डुइंग बिजनेस में आसानी होगी। कर विवाद और मुकदमे कम होंगे। रिफंड जल्दी मिलने से कार्यशील पूंजी पर दबाव कम होगा। सरकार को भी पारदर्शी टैक्स प्रणाली को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

## रायफल बैसाखी के सहारे, हेलमेट जमीन पर : शहीद पुलिस स्मारक बदहाल, रांची में शहीद स्मारक ही मांग रहा सम्मान, सुध लेने वाले मौन



**रांची।** एक ओर पूरा देश कारगिल विजय दिवस पर शहीदों के अदम्य साहस, वीरता और सर्वोच्च बलिदान को नमन कर रहा है। वहीं राजधानी रांची में शहीदों की स्मृति में बना एक स्मारक उपेक्षा की कहानी बयां कर रहा है।

मुख्यमंत्री आवास के समीप न्यू पुलिस लाइन परिसर स्थित रांची जिला के शहीद पुलिस अधिकारियों का स्मारक लंबे समय से बदहाली का शिकार है। शहीदों के सम्मान का प्रतीक बनी रायफल बैसाखी के सहारे खड़ी नजर आती है, जबकि उसके ऊपर स्थापित रहने वाला हेलमेट जमीन पर गिरा पड़ा है।

यह दृश्य न केवल स्मारक की जर्जर स्थिति को उजागर करता है, बल्कि शहीदों के सम्मान और स्मृतियों के प्रति प्रशासनिक उदासीनता पर भी सवाल खड़े करता है।

हैरानी की बात यह है कि इस मार्ग से रोज पुलिस के कई वरिष्ठ अधिकारी और प्रशासनिक पदाधिकारी गुजरते हैं, लेकिन अब तक स्मारक की मरम्मत और रखरखाव की दिशा में कोई पहल नहीं की गई। शहीद स्मारक केवल पत्थर, लोहे या सीमेंट की संरचना नहीं होते, बल्कि वे उन वीर जवानों और पुलिस अधिकारियों के सर्वोच्च बलिदान, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्रभक्ति के जीवंत प्रतीक हैं, जिन्होंने देश और समाज की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

## 320 किलो गांजा जब्त, कीमत 1.5 करोड़ रुपए: बिहार से पलामू पहुंचा था खेप, ट्रक चालक गिरफ्तार



**पलामू।** पलामू के जपला-छतरपुर रोड पर वाहन जांच के दौरान पुलिस ने 320 किलोग्राम गांजा से लदे एक ट्रक को जब्त किया। बरामद गांजा की खुदरा बाजार में कीमत करीब 1.5 करोड़ रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने गंम्हरिया गांव के पास की। सूचना मिली थी कि ट्रक संख्या क्र-14 ख्र-6583 बिहार से जपला होते हुए छतरपुर की ओर भारी मात्रा में गांजा लेकर जा रहा है, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर वाहन को पकड़ा।

तलाशी के दौरान पुलिस ने ट्रक के डाले में लकड़ी का एक गुप्त चैंबर बनाकर उसमें 10 प्लास्टिक बोरों में गांजा छिपाकर रखा हुआ पाया। मौके पर ड्रग डिटेक्शन किट से जांच करने पर बरामद सामग्री के गांजा होने की पुष्टि हुई।

पुलिस ने मौके से छतरपुर के मदनपुर गांव निवासी 45 वर्षीय चालक राजेश यादव को गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ में चालक ने तस्करी से जुड़े कई अहम सुराग दिए हैं, जिसके आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी है।

## चांडिल में बीच सड़क धू-धू कर जला टैंकर : शॉर्ट सर्किट से लगी आग, दूर तक दिखाई दे रहा था धुआं



**जमशेदपुर ।** सरायकेला-खरसावां जिले के चांडिल थाना क्षेत्र स्थित एनएच-33 के गोलचक्कर पर रविवार को एक खड़े टैंकर में अचानक आग लग गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, टैंकर में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी, जिसने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया। आग की तेज लपटें और घना काला धुआं दूर-दूर तक दिखाई देने लगा, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। घटना के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही चांडिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल बचाव कार्य शुरू किया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग को सूचना दी गई, जिसके बाद अग्निशमन की कई टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं।

आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू की। पुलिस ने एहतियात के तौर पर आसपास के इलाके को खाली करा दिया, ताकि किसी प्रकार की जनहानि न हो। मौके पर अफसरों की मौजूदगी में लगातार स्थिति पर नजर रखी जा रही।

## मोरहाबादी के बिरसा स्टेडियम में शौर्य: डूरंड कप... जमशेदपुर एफसी ने श्रीलंका आर्मी की टीम डिफेंडर्स को 5-0 से हराया



**रांची।** संस्कृति और फुटबॉल का संगम 135वें डूरंड कप-2026 के रांची चरण का आगाज रविवार को मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में भव्य समारोह के साथ हुआ। हजारों दर्शकों की मौजूदगी में सेना के शौर्य, देशभक्ति और झारखंड की सांस्कृतिक विरासत का शानदार संगम देखने को मिला। उद्घाटन मुकाबले में जमशेदपुर एफसी ने श्रीलंका आर्मी की टीम डिफेंडर्स एफसी को 5-0 से हराकर टूर्नामेंट में शानदार आगाज किया।

मैच से पहले हुए उद्घाटन समारोह में फ्लाई-पास्ट, सेना के पाइप एंड ड्रम बैंड और गोरखा और सिख रेजिमेंट की प्रस्तुतियों ने स्टेडियम का माहौल जोश से भर दिया। डूरंड कप के थीम गीत 'खेलेंगे-खेलेंगे, दिल से खेलेंगे' पर कलाकारों की प्रस्तुति ने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद उद्घाटन समारोह में खेल मंत्री सुदिव्य कुमार, नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन, श्रीलंका आर्मी फुटबॉल टीम के मेजर जनरल डब्ल्यू एमपीडब्ल्यू एनडीबी वीराकून, पूर्वी कमान के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल गंभीर सिंह, मेजर जनरल दिनेश कुमार सिंह, रांची क्षेत्र के जीओसी मेजर जनरल सज्जन सिंह मान, सांसद महुआ माझी, खेल सचिव मुकेश कुमार, खेल निदेशक छवि रंजन व अन्य मौजूद रहे।

### सोडूको प्रश्न (उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होगा)

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 3 | | | 8 | | | | 1 |
| | | 7 | 4 | | 1 | | 5 | |
| 9 | | | | 5 | | 2 | | |
| | | 2 | | | 5 | | 1 | |
| 3 | | | 2 | 1 | | 5 | | |
| 5 | 9 | | | 6 | | | | 2 |
| | | 6 | 5 | | 2 | | | |
| | | 9 | 6 | | | | 2 | 7 |
| | | | | | 8 | | 6 | 5 |

### पिछले अंक का उत्तर

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 8 | 9 | 7 | 2 | 4 | 1 | 6 | 5 | 3 |
| 3 | 6 | 5 | 8 | 7 | 9 | 1 | 4 | 2 |
| 2 | 1 | 4 | 3 | 5 | 6 | 9 | 7 | 8 |
| 9 | 7 | 8 | 5 | 1 | 3 | 4 | 2 | 6 |
| 5 | 3 | 1 | 6 | 2 | 4 | 7 | 8 | 9 |
| 6 | 4 | 2 | 9 | 8 | 7 | 3 | 1 | 5 |
| 7 | 8 | 9 | 1 | 3 | 2 | 5 | 6 | 4 |
| 4 | 5 | 6 | 7 | 9 | 8 | 2 | 3 | 1 |
| 1 | 2 | 3 | 4 | 6 | 5 | 8 | 9 | 7 |

चौखट पर हमारी
तुम्हारी
आने की आहट के
इशारे पास आए हैं।
मुश्किलों के बाद
आये सही वो
मंज़र और नज़ारे पास
आए हैं।।
ख्यालों से नहीं जाते
निकाले चर्चे समायत
के,
कि गिरते संभलते हम
खुद ही खुद में हारे पास
आए हैं।।

## पहले चरण में 50 मेगावाट उत्पादनः गेतलसूद फ्लोटिंग सोलर प्लांट से अगले हफ्ते शुरू हो सकता है बिजली उत्पादन

**अनगड़ा।** गेतलसूद मेगा फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट से अगले सप्ताह बिजली उत्पादन शुरू होने की उम्मीद है। पहले चरण में 50 मेगावाट बिजली का उत्पादन किया जाएगा। इसके लिए, प्लांट के स्विच यार्ड की 132 केवी डबल सर्किट गेतलसूद-इरबा ट्रांसमिशन लाइन और जलाशय क्षेत्र में बिछाई गई 33 केवी केबल को शनिवार रात चार्ज कर दिया गया है। इससे अगले सप्ताह बिजली उत्पादन का रास्ता साफ हो गया है। फिलहाल डैम के भीतर निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। करीब 500 करोड़ रुपए की लागत से एलएंडटी के सहयोग से 100 मेगावाट क्षमता का यह फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट बनाया जा रहा है। गेतलसूद जलाशय के कुल 2000 हेक्टेयर जलक्षेत्र में से 172 हेक्टेयर में इसका निर्माण हो रहा है। सेकी के इंजीनियर नवीन उरांव ने बताया कि ट्रांसमिशन लाइन और केबल चार्ज होने के बाद अगले सप्ताह से बिजली उत्पादन शुरू करने की तैयारी पूरी हो गई है।

# भारत ने जिम्बाब्वे को 35 रन से हराया:3-0 से टी-20 सीरीज जीती, वैभव सूर्यवंशी ने 81 रन बनाए; मयंक को 3 विकेट

**हरारे।** भारत ने जिम्बाब्वे को तीसरे टी-20 में 35 रन से हराकर सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। हरारे में टीम इंडिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 5 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब में जिम्बाब्वे 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी।

भारत की जीत के हीरो वैभव सूर्यवंशी रहे। उन्होंने 49 गेंदों पर 81 रन की पारी खेली। गेंदबाजी में मयंक यादव ने 3 विकेट लिए। यश ठाकुर को 2 विकेट मिले।

भारत की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा 2 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ईशान किशन (29) ने दूसरे विकेट के लिए 75 रन जोड़कर पारी संभाली। ईशान के आउट होने के बाद वैभव ने कप्तान श्रेयस अय्यर (27) के साथ 50 रन की साझेदारी की। 193 रन का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे ने पहली बॉल पर विकेट गंवा दिया। टीम के लिए रयान बर्ल ने सबसे ज्यादा नाबाद 54 रन बनाए। मैच का पूरा स्कोरकार्ड...

### वैभव प्लेयर ऑफ द मैच और सीरीज

वैभव सूर्यवंशी को प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। उन्होंने तीन मैचों में 151 रन बनाए। मैच के बाद वैभव ने कहा कि हरारे पहुंचने के बाद टीम ने दो-तीन दिन अच्छी तैयारी की थी और उन्हें यहां खेलना हमेशा पसंद है।

वैभव ने कहा, मेरा लक्ष्य हर मैच में टीम को तेज शुरुआत दिलाना था। अगर अच्छी शुरुआत मिल जाए तो पारी को बड़ा बनाने की कोशिश करता हूं। दोनों अवॉर्ड को वैभव ने सपना सच होने जैसा पल बताया।

भारत: अभिषेक शर्मा, वैभव सूर्यवंशी, ईशान किशन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, सूर्यांश शेडगे, रवि बिश्नोई, अशोक शर्मा, मयंक यादव और यश ठाकुर।

जिम्बाब्वे: ब्रायन बेनेट, बेन करन, डिओन मायर्स, सिकंदर रजा (कप्तान), रयान बर्ल, वेस्ली मधेवेरे, तादीवानाशे मरुमानी, ब्रैड इवांस, न्यूमैन न्यामहुरी, वेलिंगटन मसाकाद्जा और ब्लेसिंग मुजरबानी।

भारत ने तीसरे टी-20 में जिम्बाब्वे को 35 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। 193 रन का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 157 रन ही बना सकी। रयान बर्ल ने 43 गेंदों में 54 रन बनाए।

जिम्बाब्वे को 18वें ओवर की पहली ही गेंद पर छठा झटका लगा। तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने तडिवानाशे मारुमानी को बोल्ड कर अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का पहला विकेट हासिल किया। मारुमानी 3 गेंदों में 1 रन बनाकर आउट हुए।

जिम्बाब्वे को 16वें ओवर में पांचवां झटका लगा। मयंक यादव ने वेस्ली मधेवेरे को डीप मिडविकेट पर तिलक वर्मा के हाथों कैच कराया। 138 किमी/घंटा की रफ्तार से आई शॉर्ट गेंद पर मधेवेरे पुल शॉट खेलने के प्रयास में गेंद को हवा में उछाल बैठे। इस बार तिलक ने कोई गलती नहीं की और आसान कैच लपक लिया।

जिम्बाब्वे ने 13 ओवर में 4 विकेट पर 104 रन बना लिए हैं। रयान बर्ल 27 गेंदों में 36 रन और वेस्ली मधेवेरे 16 गेंदों में 15 रन बनाकर क्रीज पर हैं। अभिषेक शर्मा के ओवर में दोनों बल्लेबाजों ने 12 रन जुटाए। बर्ल ने पहली गेंद पर शानदार चौका जड़ा, जबकि मधेवेरे ने 93 मीटर लंबा छक्का लगाकर रनगति बढ़ाने की कोशिश की।

193 रन का पीछा कर रही जिम्बाब्वे की टीम 10 ओवर में 4 विकेट पर 77 रन ही बना सकी। रयान बर्ल 16 गेंदों में 21 रन और वेस्ली मधेवेरे 9 गेंदों में 4 रन बनाकर क्रीज पर हैं। अशोक शर्मा ने अपने तीन ओवर में सिर्फ 17 रन दिए।

रवि बिश्नोई ने बेन करन को 20 रन पर पवेलियन भेज दिया। करन रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में शॉर्ट थर्ड मैन पर मयंक यादव के हाथों कैच आउट हुए। उन्होंने 19 गेंदों पर 20 रन बनाए, जिसमें 2 चौके शामिल थे।

## बिजनेस न्यूज

# सेंसेक्स में 500 अंक से ज्यादा की तेजी: 76,600 पर कारोबार कर रहा, निफ्टी भी 150 अंक चढ़ा; FMCG और IT शेयर्स में ज्यादा खरीदारी

**मुंबई।** शेयर बाजार में आज यानी 27 जुलाई को बढ़त है। सेंसेक्स 500 अंक से ज्यादा की तेजी के साथ 76,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं निफ्टी में भी 150 अंक से ज्यादा की तेजी है, ये 23,950 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। **FMCG, IT** और मीडिया शेयर्स में ज्यादा खरीदारी है।

### 93 डॉलर पर आया कच्चा तेल

ब्रेंट क्रूड के दाम में आज करीब 4% की गिरावट है। ये आज 93 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव में कमी आने में दामों में गिरावट है।

हालांकि जानकारों का मानना है कि अगर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच अगर आगे तनाव फिर बढ़ता है, तो तेल की कीमतें 120 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। इसका असर भारत में पेट्रोल-डीजल पर दिख सकता है। इससे पहले 24 जुलाई को शेयर बाजार में गिरावट रही थी। सेंसेक्स 331 अंक की गिरावट के साथ 76,059 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 102 अंक की गिरावट रही, ये 23,767 के स्तर पर बंद हुआ था।

# चांदी 2,050 बढ़कर 2.25 लाख पर पहुंची: सोना 751 महंगा होकर 1.45 लाख का 10 ग्राम हुआ, इस साल 1.60 लाख तक जा सकता है

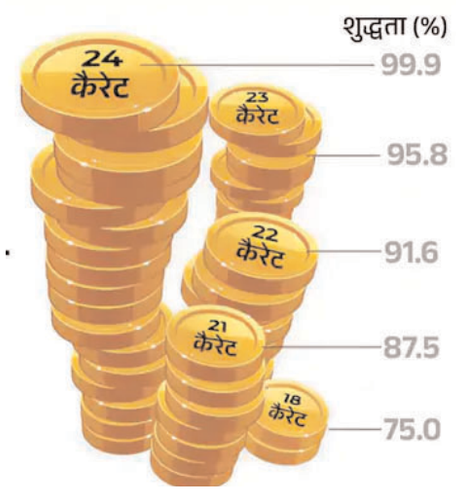


सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 27 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, एक किलो चांदी 2,050 रुपए बढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 751 रुपए चढ़कर 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

### सोना इस साल 12 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10द्द सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है।

वहीं, चांदी की कीमत में 5 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.25 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है।

# चानू ने भारत को कॉमनवेल्थ गेम्स का पहला गोल्ड दिलाया:190 द्मद्द वजन उठाया, लगातार तीसरी बार चैंपियन बनीं; ऋषिकांत और मुथुपांडी को सिल्वर

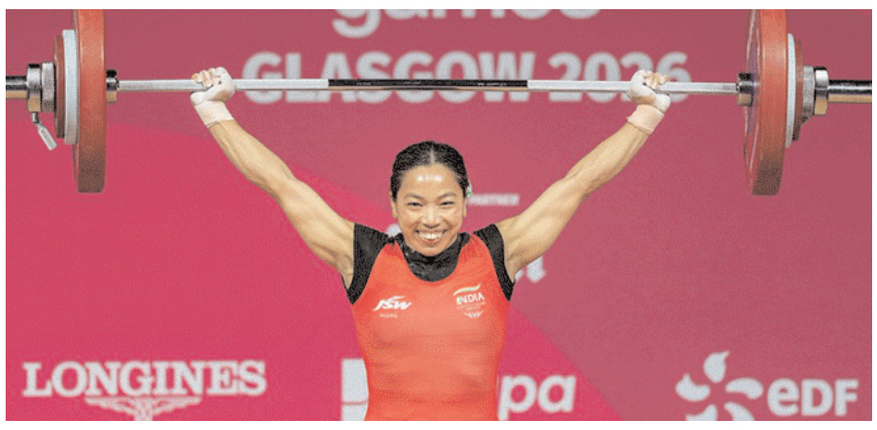


मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में भारत को पहला गोल्ड मेडल दिला दिया है। उन्होंने विमेंस वेटलिफ्टिंग की 48 द्मद्द वेट कैटेगरी में कुल 190 किलो वजन उठाया। भारतीय वेटलिफ्टर ने स्नैच में 85 किलो और क्लीन एंड जर्क में 105 किलो वजन उठाया।

मीराबाई का यह लगातार तीसरा कॉमनवेल्थ गोल्ड है। उन्होंने 2018 के गोल्डकोस्ट और 2022 के बर्मिंघम गेम्स में भी गोल्ड जीता था। वे ग्लासगो गेम्स 2014 में सिल्वर भी जीत चुकी हैं।

रविवार को ही ऋषिकांत सिंह ने मेंस 60 द्मद्द और राजा मुथुपांडी ने मेंस 65 द्मद्द वेट कैटेगरी में सिल्वर मेडल अपने नाम किए। ऋषिकांत ने 264 द्मद्द (121+143) और राजा ने 286 द्मद्द (126+160) वजन उठाया। झंडू कुमार ने शुक्रवार को पैरा पावरलिफ्टिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। ग्लासगो गेम्स में भारत के अब 4 मेडल (1 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज) हो गए हैं। भारत मेडल टैली में आठवें स्थान पर है। ऑस्ट्रेलिया 17 गोल्ड सहित 39 मेडल के साथ टॉप पर बना हुआ है।

### चानू ने गेम्स रिकॉर्ड बनाया

टोक्यो ओलिंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई स्नैच के पहले प्रयास में 82 किलो वजन नहीं उठा पाई। इसके बाद उन्होंने दूसरे में 82 और तीसरे में 85 किलो उठाकर कॉमनवेल्थ रिकॉर्ड बना दिया। चानू क्लीन एंड जर्क में भी पहला प्रयास चूक गईं। उन्होंने दूसरे प्रयास में 105 किलो उठाकर गोल्ड अपने नाम किया।

### ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स

यह ऋषिकांत का दूसरा कॉमनवेल्थ गेम्स था। उन्होंने ग्लासगो में पुरुषों के 60द्मद्द वेट में सिल्वर मेडल जीता। गोल्ड मलेशिया के अनीक कसदान के नाम रहा। इससे पहले वह बर्मिंघम 2022 में 55द्मद्द वेट में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। ऋषिकांत मौजूदा कॉमनवेल्थ वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप के चैंपियन भी हैं।

# प्रतिष्ठा सामंत वॉल्ट फाइनल में पहुंचीं, प्रणति नायक चूकीं

कॉमनवेल्थ गेम्स की महिला जिम्नास्टिक स्पर्धा में भारत की 22 साल की प्रतिष्ठा सामंत ने वॉल्ट इवेंट के फाइनल में जगह बना ली। क्वालिफिकेशन में पश्चिम बंगाल की प्रतिष्ठा ने 13.025 अंक के साथ 5वां स्थान हासिल कर टॉप-8 में जगह बनाई।

वहीं, भारत की अनुभवी जिम्नास्ट प्रणति नायक 12.555 अंक के साथ 11वें स्थान पर रहीं और तीसरी रिजर्व खिलाड़ी बनीं। ईशिता रेवाले (11.725) 15वें तथा निष्का अग्रवाल (11.075) 19वें स्थान पर रहीं।

ऑल-अराउंड में प्रतिष्ठा (42.250) 27वें और ईशिता (41.700) 28वें स्थान पर रहीं। दोनों फाइनल में नहीं पहुंच सकीं।

टीम इवेंट में भारत 123 अंकों के साथ 9वें स्थान पर रहा। ऑस्ट्रेलिया (158.400) ने गोल्ड, कनाडा (157.300) ने सिल्वर और इंग्लैंड (154.300) ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

# अनाहत सिंह ने जूनियर स्क्वैश वर्ल्ड चैंपियनशिप जीती: खिताब जीतने वाली पहली भारतीय बनीं; फाइनल में मिस्र की रुक्या सलेम को 3-0 से हराया

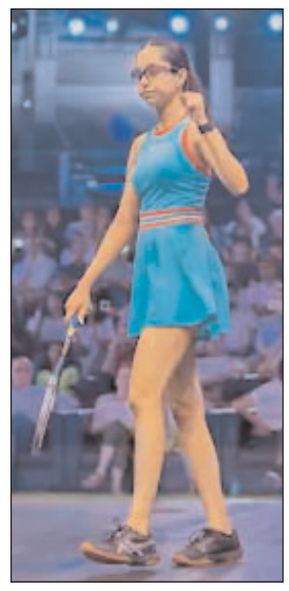

भारत की 18 साल की स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने वर्ल्ड स्क्वैश जूनियर चैंपियनशिप 2026 का खिताब जीता।

शनिवार को खेले गए गर्ल्स सिंगल्स फाइनल में टॉप सीड अनाहत ने मिस्र की दूसरी वरीयता प्राप्त रुक्या सलेम को 11-3, 11-7, 11-9 से हराया। इसके साथ ही वे जूनियर वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं।

इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2005 में रहा था, जब जोशना चिनप्पा फाइनल तक पहुंची थीं। अनाहत ने अब भारत को इस टूर्नामेंट का पहला गोल्ड दिलाया।

गर्ल्स जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2011 से लगातार मिस्र की खिलाड़ी खिताब जीत रही थीं। अनाहत ने फाइनल में रुक्या सलेम को हराकर यह सिलसिला तोड़ दिया। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में 6 मैच खेले और सिर्फ 2 गेम गंवाए।

अनाहत ने पिछले साल जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार उन्होंने उसे गोल्ड में बदल दिया। चार बार की चैंपियन मिस्र की अमीना ओर्फी उम्र सीमा के कारण इस बार टूर्नामेंट में नहीं खेलीं।

### दूसरे भारतीय खिलाड़ियों का प्रदर्शन

गर्ल्स वर्ग में अनाहत के अलावा रुद्र सिंह, अनिका दुबे और शानवी कलंकी राउंड ऑफ-32 में बाहर हो गईं।

बॉयज वर्ग में आर्यवीर दीवान भारत के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। वे प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे। युशा नफीस और गुरवीर सिंह राउंड ऑफ-32, जबकि पुरव रामभिया राउंड ऑफ-64 में हार गए।

**प्रतियोगिता में पांच संभागीय मुख्यालयों से 160 बालक एवं 80 बालिकाओं सहित कुल 240 खिलाड़ी भाग ले रहे**

# जशपुर में 26वीं राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ, '240 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा'

**रायपुर।** छत्तीसगढ़ शासन के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 26वीं राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को जशपुर के अंतरराष्ट्रीय स्तर के एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में भव्य समारोह के साथ हुआ। यह प्रतियोगिता 26 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रदेश के पांचों संभागों के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

प्रतियोगिता का शुभारंभ जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने ध्वजारोहण कर तथा विभिन्न टीमों की सलामी लेकर किया। प्रतियोगिता में पांच संभागीय मुख्यालयों से 160 बालक एवं 80 बालिकाओं सहित कुल 240 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनके साथ 35 से अधिक कोच एवं मैनेजर भी उपस्थित हैं। इस अवसर पर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ अपने जिले एवं राज्य का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने का आह्वान किया।

नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविंद भगत ने कहा कि जशपुर के लिए यह गर्व का विषय है कि लगातार दूसरे वर्ष राज्य स्तरीय शालेय हॉकी प्रतियोगिता की मेजबानी का अवसर मिला है। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी 25वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया था। जशपुर में विकसित आधुनिक एस्ट्रोटर्फ हॉकी मैदान खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है, जिससे जिले में हॉकी खेल को नई पहचान मिल रही है। उद्घाटन समारोह में नगर पालिका परिषद जशपुर के अध्यक्ष श्री अरविंद भगत, उपाध्यक्ष श्री यशप्रताप सिंह जूदेव सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी, स्कूली बच्चे एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कामधेनू

वास्तु शास्त्र में, कामधेनु को शक्ति व ऊर्जा को बढ़ाने के लिए एक प्रतीक या वस्तु के रूप में उपयोग किया जाता है। यहां वास्तु शास्त्र में कामधेनु का उपयोग कैसे किया जा सकता है, उसके कुछ तरीके हैं :-
1. स्थान : अपने घर या कार्यालय के उत्तर-पूर्व दिशा में कामधेनु की मूर्ति या चित्र रखें। यह मान्यता है कि इससे सकारात्मक ऊर्जा का आमंत्रण होता है और इससे सौभाग्य और अनुकूलता बढ़ती है।
2. पूजा कक्ष : अपने पूजा कक्ष में एक छोटी सी कामधेनु मूर्ति या चित्र रखें। मान्यता है कि इससे धार्मिक रीति व पूजा के दौरान आशीर्वाद और सकारात्मक ऊर्जा आती है।
3. धन कोण : यदि आप वास्तु शास्त्र में धन कोण की संकल्पना का पालन करते है, तो अपने धन कोण के नजदीक कामधेनु रखने से वित्तीय समृद्धि और सौभाग्य आकर्षित हो सकते हैं।
4. उपहार : कामधेनु घर की गृहप्रवेश या किसी नए व्यापार की शुरुआत में एक आदर्श उपहार हो सकती है।
ध्यान दें, वास्तु शास्त्र एक कई सिद्धांतों का समन्वय है, और कामधेनु उनमें से केवल एक तत्व है। अपनी विशेष आवश्यकताओं और स्थान के आधार पर वास्तु विशेषज्ञ से परामर्श करना बेहतर होगा।
Vastu Guruji
www.vastuguruji.com
RAJ BHAWAN ROAD, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.) 492001

# सांपों के साथ सह-अस्तित्व का संदेश, सोनबरसा में रेस्क्यू एवं जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

**रायपुर।** सांपों के साथ सह-अस्तित्व का अर्थ है उनके प्राकृतिक व्यवहार को समझना, डर को कम करना और सुरक्षित तरीके अपनाना। सांप पर्यावरण संतुलन के लिए जरूरी हैं क्योंकि वे चूहों और कीटों की संख्या को नियंत्रित रखते हैं। घर के आसपास घास, लकड़ी के ढेर या कबाड़ न जमा होने दें ताकि सांपों को छिपने की जगह न मिले। घर के आसपास चूहों व अन्य कृन्तकों को न पनपने दें, क्योंकि भोजन की तलाश में ही सांप घरों का रुख करते हैं।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप के वन्यजीव संरक्षण के व्यापक विजन और प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख के मार्गदर्शन में बलौदाबाजार वनमंडल द्वारा वन्यजीव संरक्षण और जनजागरूकता की दिशा में अभिनव पहल की गई। वनमंडल द्वारा सोनबरसा वन विहार में 'सांपों के साथ सह-अस्तित्व : स्नेक रेस्क्यू एंड अवेयरनेस वर्कशॉप-2026' का सफल आयोजन किया गया।

अविषैले सांपों की पहचान और सुरक्षित रेस्क्यू के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी

कार्यशाला का उद्देश्य वन विभाग के मैदानी अमले और युवाओं में सांपों को लेकर व्याप्त भ्रांतियों को दूर करना तथा उनके प्रति वैज्ञानिक समझ विकसित करना था। कार्यशाला में विषैले और अविषैले सांपों की पहचान, उनके व्यवहार, पारिस्थितिकी तंत्र में उनकी भूमिका और सुरक्षित रेस्क्यू के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

कार्यशाला के पहले सत्र का आयोजन वनमंडल कार्यालय, बलौदाबाजार में किया गया। विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को विभिन्न प्रजातियों के सांपों की पहचान, उनके व्यवहार और पर्यावरण संतुलन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका के बारे में जानकारी दी। सर्पदंश से जुड़ी भ्रांतियों, आपात स्थिति में प्राथमिक उपचार, रेस्क्यू के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों तथा मानव-सर्प संघर्ष को कम करने के उपायों पर भी चर्चा की गई।

कार्यशाला के दूसरे सत्र का आयोजन सोनबरसा वन विहार में किया गया। इस दौरान विशेषज्ञों ने सर्प रेस्क्यू का लाइव प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों को रेस्क्यू उपकरणों के सुरक्षित उपयोग और सांपों को बिना नुकसान पहुंचाए सुरक्षित रूप से प्राकृतिक आवास में छोड़ने की व्यावहारिक जानकारी दी गई।

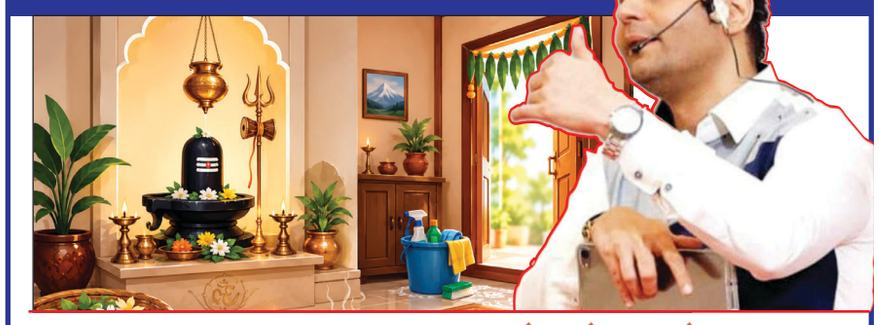

# सावन से पहले करें ये वास्तु उपाय, घर में बनी रहेगी सुख-समृद्धि और शिव कृपा: वास्तु एक्सपर्ट



वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह ने बताया कि सावन का महीना भगवान शिव की आराधना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। इस पावन मास के आगमन से पहले घर की साफ-सफाई और कुछ विशेष वास्तु उपाय करने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) को स्वच्छ रखें और वहां किसी प्रकार का भारी सामान या कबाड़ न रखें। मुख्य द्वार की सफाई कर उस पर आम या अशोक के पत्तों का तोरण लगाएं। पूजा स्थल को व्यवस्थित रखें तथा गंगाजल का छिड़काव करें। घर में टूटे-फूटे बर्तन, खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान और बेकार वस्तुओं को हटाने से नकारात्मक ऊर्जा कम होती है।

## सावन से पहले क्या करें?

सावन शुरू होने से पहले पूरे घर की अच्छी तरह सफाई करें। विशेष रूप से पूजा घर, मुख्य द्वार और उत्तर-पूर्व दिशा को स्वच्छ रखें। गंगाजल का छिड़काव करें, टूटी-फूटी वस्तुएं हटाएं और मुख्य द्वार पर शुभ तोरण लगाएं।

## इन बातों का रखें विशेष ध्यान

वास्तु एक्सपर्ट राणा सिकंदर सिंह के अनुसार सावन से पहले घर में कबाड़, सूखे पौधे, बंद घड़ी या खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान नहीं रखना चाहिए। पूजा स्थान पर नियमित दीपक जलाएं और भगवान शिव का स्मरण करें। ऐसा करने से नकारात्मकता दूर होती है तथा परिवार में सुख, शांति और समृद्धि का वास बना रहता है।

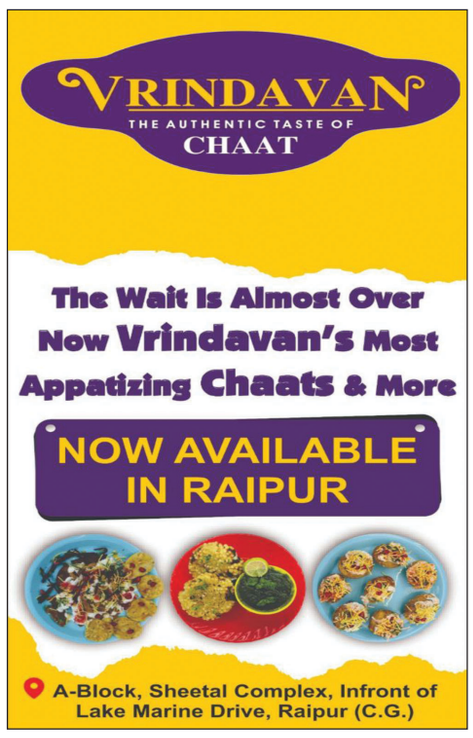







# प्रकृति के साथ संतुलन और जल संरक्षण भविष्य की सुरक्षा के लिए आवश्यक : राज्यपाल डेका

### राज्यपाल ने पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन' अभियान का किया शुभारंभ

**रायपुर।** राज्यपाल रमेन डेका ने कहा कि मनुष्य, पेड़-पौधों और पशु-पक्षियों के बीच संतुलन बनाए रखना पर्यावरण संरक्षण के लिए अत्यंत आवश्यक है। जलवायु परिवर्तन, बढ़ता तापमान, जल संकट और प्रदूषण आज गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं। आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को भी जल संकट का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए हमें अभी से जल संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयास करने होंगे।

राज्यपाल डेका ने आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं आपदा प्रबंधन' के लिए आयोजित राष्ट्रीय अभियान का शुभारंभ करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने अभियान में शामिल ब्रह्माकुमारी बहनों एवं भाइयों को झंडी दिखाकर रवाना किया। यह अभियान 26 जुलाई से 9 अगस्त 2026 तक रायपुर से जबलपुर की यात्रा करते हुए छत्तीसगढ़ एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में पर्यावरण संरक्षण और आपदा प्रबंधन के प्रति जन-जागरूकता का संदेश देगा।

राज्यपाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की यह पहल केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि जन-जागृति का अभियान है। इसके माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों को वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

डेका ने कहा कि प्रकृति हमारी मां के समान है और उसका संरक्षण करना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के निवासी सौभाग्यशाली हैं। यह प्राकृतिक संपदा से समृद्ध प्रदेश है। यहां के घने वन, जीवनदायिनी नदियां और समृद्ध जैव-विविधता हमारी अमूल्य धरोहर हैं। प्रदेश की जनजातीय संस्कृति भी सदियों से प्रकृति के साथ सामंजस्य और सह-अस्तित्व का संदेश देती आई है। बदलते समय में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय चुनौतियों से छत्तीसगढ़ भी अछूता नहीं है। इसलिए यहां की हरियाली और प्राकृतिक जल स्रोतों को संरक्षित करना आवश्यक है।

### पर्यावरण प्रदूषण कम करने और इको फ्रेंडली तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन

राज्यपाल ने जल संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पानी की उपलब्धता भविष्य की एक बड़ी चुनौती है। जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने के साथ वर्षा जल संचयन और परंपरागत जल स्रोतों के संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी। पर्यावरण प्रदूषण कम करने के लिए इको फ्रेंडली व्यवस्थाओं तथा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग को भी बढ़ावा देना होगा।

### सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करना

राज्यपाल ने माइक्रोप्लास्टिक के बढ़ते दुष्प्रभावों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह मानव स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है। माइक्रोप्लास्टिक का प्रभाव मां के दूध तक में दिखाई देना भविष्य की पीढ़ियों के स्वास्थ्य की दृष्टि से चिंताजनक है। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग कम करने और पर्यावरण संरक्षण के अभियान से समाज एवं समुदाय के प्रत्येक वर्ग को जोड़ने पर जोर दिया।

राज्यपाल डेका ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं को पूरी तरह रोक पाना संभव नहीं है, लेकिन बेहतर तैयारी, जागरूकता और प्रभावी आपदा प्रबंधन से उनके प्रभाव को काफी हद तक कम किया जा सकता है। धरती का बढ़ता तापमान, अनियमित मौसम और प्राकृतिक आपदाओं की बढ़ती घटनाएं हमें प्रकृति के प्रति अपने व्यवहार पर पुनर्विचार करने का संकेत दे रही हैं।

### सकारात्मक विचार और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना

डेका ने कहा कि यह अभियान विज्ञान और अध्यात्म के समन्वय का भी संदेश देता है। राजयोग के माध्यम से सकारात्मक विचार और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता विकसित होती है। भौतिक प्रगति के साथ नैतिक एवं आध्यात्मिक चेतना भी आवश्यक है।

राज्यपाल ने सभी नागरिकों से पानी की एक-एक बूंद बचाने, सिंगल यूज प्लास्टिक का त्याग करने और वृक्षारोपण को जन-आंदोलन बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी संतान की तरह देखभाल करे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक - **करण सिंह होरा** द्वारा आसमां पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड. जयस्तंभ चौक रायपुर, जिला-रायपुर (छत्तीसगढ़) से मुद्रित कर लक्ष्मी निवास नल घर चौक, अहमद जी भाई कालोनी रायपुर, जिला रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन-492001 से प्रकाशित. **संपादक- करन सिंह होरा** मो. - 9669000000 CHHBIL/2023/88684